mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-323 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 नवंबर 2025 सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

एशेज इतिहास का सबसे...
@ पेज 7

टीपू-इपू को समंदर में फेंक दो..., एनसीईआरटी में बदलावों पर बोले असम के सीएम

गुवाहाटी, एजेंसी। स्कूली पाठ्यपुस्तकों में किए गए कथित बदलावों मुगल सम्राट अकबर के नाम से ग्रेट शब्द हटाने और टीपू सुल्तान से जुड़े संदर्भों को कम करने को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को एनसीईआरटी का खुलकर समर्थन किया। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने नई किताबें स्वयं नहीं देखी हैं, लेकिन यदि बदलाव किए गए हैं तो यह बेहद स्वागत योग्य कदम है। सरमा ने कहा, बहुत अच्छा किया, अगर उन्होंने ऐसा किया है, तो मेरी ओर से एनसीईआरटी को धन्यवाद।

टीपू-इपू को मारो, समंदर में फेंक दो : सरमा ने टिप्पणी को और आगे बढ़ाते हुए कहा कि विवादित ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को स्कूल शिक्षा में महिमामंडित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, टीपू-इपू को मारो एकदम। जहां भेजना है भेज दो, समंदर में फेंक दो।

संसद के शीतकालीन सत्र में 10 बिल पेश होंगे

हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल आएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र में एटॉमिक एनर्जी बिल समेत 10 नए बिल पेश हो सकते हैं। लोकसभा बुलेटिन में शनिवार को यह जानकारी दी गई। एटॉमिक एनर्जी बिल में प्राइवेट कंपनियों को भी न्यूक्लियर पॉवर प्लांट लगाने की अनुमति मिल सकेगी।

अभी देश में सारे न्यूक्लियर पावर प्लांट्स सरकार के कंट्रोल वाली कंपनियों (जैसे NPCIL) के जरिए ही बनाए जाते हैं। नए बिल में संशोधन के बाद निजी कंपनियां (भारतीय और विदेशी दोनों) न्यूक्लियर पावर प्रोडक्शन में आ सकेंगी। सत्र के दौरान जो दूसरा बड़ा बिल पेश होगा वो हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल है। इसके तहत अलग-अलग संस्थाओं (UGC, AICTE, NCTE) को खत्म कर उन्हें एक ही कमीशन में जोड़ दिया जाएगा।

वैश्विक नेताओं की सटीक प्रोफाइल तैयार कर रहा भारत

माइक्रो एक्सप्रेशन की भी रिकॉर्डिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व के नेताओं के हाव-भाव कैसे हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज, बयानों की निरंतरता, कथनी-करनी में क्या समानता है, इन सवालों के जवाब सटीक ढंग डीकोड करने के लिए विदेश मंत्रालय लीडरशिप एनालिसिस फ्रेमवर्क तैयार कर रहा है।

सूत्रों के मुताबिक इस सॉफ्ट कूटनीतिक हथियार से दूसरे देशों से भारत के संबंधों की राह तय करने में आसानी होगी।

19 दिन में 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत

एसआईआर अभियान के दौरान गुजरात-म.प्र.में 4-4, बंगाल में 3, राजस्थान-तमिलनाडु-केरल में 3 मौतें

नई दिल्ली/ भोपाल/ अहमदाबाद/ कोलकाता/ चेन्नई, एजेंसी। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन गई हैं। 21 नबंवर की रात से 22 नवंबर के मध्य प्रदेश में दो बीएलओ की बीमारी के कारण मौत हो गई।

मध्य प्रदेश के भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है। निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54% फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58% फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98% फॉर्म बंट चुके हैं।

- **पश्चिम बंगाल:** में नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है।
- **राजस्थान:** जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक।
- **गुजरात:** 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती।
- **मध्य प्रदेश:** एक रात में 2 बीएलओ की मौत, एक लापता, दो को हार्ट अटैक मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका।

दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं।

बीएलओ की मौतों पर कांग्रेस का हमला

नोटबंदी और लॉकडाउन की तरह ही एसआईआर जल्दबाजी में लागू किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। अलग-अलग राज्यों में कुछ बूथ लेवल अफसरों की मौत की खबरें सामने आई हैं। इनमें से कई मौतों के पीछे एसआईआर के काम के भारी दबाव को वजह बताया जा रहा है। अब इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने इसे लेकर सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि काम का बोझ बीएलओ और पोलिंग अफसरों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर रहा है। कांग्रेस ने दावा किया कि एसआईआर को जल्दबाजी में लागू किया गया और ये नोटबंदी और लॉकडाउन के फैसलों की याद दिलाता है।

खरगे का आरोप- चुनाव आयोग मूकदर्शक बनकर देख रहा : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा की वोट चोरी अब जानलेवा हो गई है। खरगे ने X पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि 19 दिनों में, मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान 16

BLO की मौत हो गई है। काम का बोझ बीएलओ और पोलिंग अफसरों को आत्महत्या करने पर मजबूर कर रहा है। खरगे ने लिखा कि, हर उस परिवार के साथ मेरी गहरी संवेदनाएं हैं जिन्होंने अपनों को खोया है। जमीनी हकीकत के हिसाब से, यह संख्या बताई गई संख्या से कहीं ज्यादा है, जो बहुत चिंता की बात है। इन परिवारों को इंसाफ कौन दिलाएगा? उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा चोरी की सत्ता का मजा ले रही है, जबकि चुनाव आयोग मूकदर्शक बनकर देख रहा है।

एसआईआर के खिलाफ विजय की टीवीके ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

चेन्नई, एजेंसी। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्री कजगम (टीवीके) ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने के

चुनाव आयोग (ईसीआई) के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इससे पहले टीवीके ने राज्य में एसआईआर के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया था। टीवीके एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाली देश की उन चुनिंदा दलों में शामिल हो गई, जिन्होंने इसका विरोध किया है।

हरियाणा में बिजनेस आवर्स एक घंटे बढ़ा,ओवर टाइम 106 घंटे बढ़ाया गया

बड़ी कंपनियों में नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र जरूरी

चंडीगढ़,एजेंसी। हरियाणा सरकार ने शॉप्स एंड कॉमर्शियल स्टेब्लिशमेंट एक्ट (1958) में संशोधन किया है। इस संशोधन के बाद प्रदेश में बिजनेस आवर्स 9 से बढ़ाकर 10 घंटे किया गए हैं। साथ ही कर्मचारियों के हर तिमाही मिलने वाले ओवर टाइम में भी बढ़ोतरी की है। बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए कड़े मानक बनाए गए हैं। इसके तहत अब कर्मचारियों को नौकरी से पहले नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र देने जरूरी होंगे। गवर्नर असीम घोष ने हरियाणा शॉप्स एंड कॉमर्शियल स्टेब्लिशमेंट एक्ट में किए गए संशोधन को लेकर एक अध्यादेश जारी कर दिया है। सरकार के सूत्रों का कहना है कि इस अध्यादेश को विधानसभा के विंटर सेशन में पारित कराया जाएगा।

सरकार ने एक्ट में क्या -क्या संशोधन किए...

- **बिजनेस ऑवर्स में एक घंटे की बढ़ोतरी :** 9 की बजाय 10 घंटे काम होगा। एक्ट में इस संशोधन से बिजनेसमैन को अपने नए ग्राहकों तक पहुंच को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के ट्रेडिंग बिजनेस करने वालों को ज्यादा लाभ होगा।
- **ओवरटाइम सीमा बढ़ाई गई :** सरकार ने एक्ट में संशोधन कर पहले 50 घंटे से ओवर टाइम को बढ़ाकर 156 घंटे प्रति तिमाही कर दिया है। इससे कर्मचारियों को 106 अतिरिक्त घंटे काम करके एक्स्ट्रा कमाई का मौका मिलेगा।
- **रजिस्ट्रेशन के लिए डॉक्यूमेंट जरूरी :** अब सभी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। महाराष्ट्र की तरह हरियाणा ने भी कंपनी के आकार के आधार पर दो स्तरीय फ्रेमवर्क शुरू किया है। इसके तहत 20 कर्मचारियों तक को रोजगार देने वाली यूनिट्स और 20 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देने वाली यूनिट्स के रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किए जाएंगे।
- **एक्ट में जुर्माने का भी प्रावधान :** संशोधित एक्ट में ये सख्त फैसला किया गया है। इसके तहत रजिस्ट्रेशन या डॉक्यूमेंट से संबंधित मामले में पहली बार उल्लंघन करने पर 3,000 से 10,000 रुपए तक का फाइन लगाया जाएगा। वहीं यदि कोई कंपनी नियमों का लगातार उल्लंघन करती है तो डेली के हिसाब से रोज 500 रुपए का फाइन लगाया जा सकता है।
- **रेस्ट लीव के लिए शर्त जोड़ी :** एक्ट में संशोधित मानदंडों के तहत, अब कर्मचारियों को विश्राम अवकाश (रेस्ट लीव) के लिए पात्र होने से पहले लगातार छह घंटे काम करना होगा। इससे पहले पांच घंटे के प्रावधान एक्ट में किया गया था।

बैंक की शाखाओं में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बैंकों की शाखाओं में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे एक रिपोर्ट जमा करें जिसमें बताया जाए कि वे आरबीआई के उस सर्कुलर का पालन कर रहे हैं या नहीं, जिसमें सभी जरूरी दस्तावेज अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने लंबित बैंकों को तुरंत रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है, ताकि ग्राहकों को उनकी भाषा में सेवाएं मिल सकें।

अदालत ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और कुछ अन्य बैंकों ने पहले ही अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। वहीं, अन्य बैंकों को आदेश दिया गया है कि वे दिसंबर के पहले हफ्ते में होने वाली अगली सुनवाई से पहले अपनी रिपोर्ट जमा करें।

बांग्ला पक्षो चैरिटेबल ट्रस्ट ने दायर की याचिका : बता दें कि यह इस मामले में याचिका 'बांग्ला पक्षो चैरिटेबल ट्रस्ट' नामक एनजीओ ने दायर किया था। याचिका में एनजीओ ने मांग की थी कि पश्चिम बंगाल की सभी बैंक शाखाओं में क्षेत्रीय भाषा बंगाली का

इस्तेमाल किया जाए और आरबीआई के नियमों का पालन हो।

हालांकि इससे पहले पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 15 सितंबर को अदालत में कहा था कि वह आरबीआई के निर्देशों का पालन करेगा और सभी जरूरी दस्तावेज तीन भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी और बंगाली में उपलब्ध कराएगा।

आरबीआई ने दिया था निर्देश : गौरतलब है कि आरबीआई ने एक जुलाई 2014 को एक सर्कुलर जारी कर सभी बैंकों को निर्देश दिया था कि शाखाओं में लगे सभी बोर्ड और ग्राहकों से संबंधित मुद्रित सामग्री तीन भाषाओं में होनी चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग आसानी से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकें।

दिल्ली ब्लास्ट: उमर को जमात से 40 लाख मिले थे, हिसाब गड़बड़ हुआ तो उमर-मुजम्मिल झगड़े

- **पुलिस ने फरीदाबाद में मस्जिद, घर, होटल, गोदाम खंगाले**

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट में शामिल सुसाइड बॉम्बर डॉ. उमर और डॉ. मुजम्मिल के बीच 40 लाख रुपए को लेकर झगड़ा हुआ था। फंडिंग जमात की तरफ से हुई थी। इसी पैसे से सामान खरीदने में हुए खर्च को लेकर उमर और मुजम्मिल की बीच तनाव था।

NIA टीम यूनिवर्सिटी के पास की मस्जिद के मौलवी इश्तियाक को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इसे ही जमात के जरिए कई लाख रुपए मिले थे, जिसका इस्तेमाल मुजम्मिल ने ब्लास्ट के लिए सामान खरीदने में किया था। सूत्रों के मुताबिक इन्हीं पैसों में हेरफेर को लेकर मुजम्मिल और उमर के बीच तनाव था।

इधर, फरीदाबाद में पुलिस ने धौज गांव समेत 4 थाना क्षेत्रों में शनिवार को सर्च अभियान चलाया। पुलिस टीम ने दिनभर मस्जिदों, दुकानों, होटलों, घरों व गोदामों में चेकिंग की।

- **हर आतंकी का अलग हैंडलर, मल्टी लेयर चेन में की प्लानिंग**

इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया मॉड्यूल का हर आरोपी एक अलग हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। मुजम्मिल का हैंडलर अलग था, जबकि ब्लास्ट करने वाला उमर दूसरे हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। दो खास हैंडलर मंसूर और हाशिम एक सीनियर हैंडलर इब्राहिम के अंडर काम कर रहे थे, जो मॉड्यूल की पूरी एक्टिविटीज को सुपरवाइज कर रहा था। ये सभी हैंडलर लेयर्स में काम कर रहे थे।

आरोपी की NIA हेडक्वार्टर में वकील से मिलने की अर्जी मंजूर : दिल्ली की एक कोर्ट ने शनिवार को लाल किला ब्लास्ट केस के आरोपी जसीर बिलाल वानी की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) हेडक्वार्टर में अपने वकील से मिलने की अर्जी मंजूर कर ली। शुक्रवार को, दिल्ली हाईकोर्ट ने आरोपी की अर्जी मंजूर करने का ऑर्डर देने से यह कहते हुए मना कर दिया कि वह ट्रायल कोर्ट द्वारा उसकी अर्जी खारिज करने का कोई ऑर्डर नहीं दिखा सका।

फडणवीस बोले- पाकिस्तान भारत को हरा नहीं सकता, इसलिए पहलगाम हमला, दिल्ली ब्लास्ट किया

26/11 के बाद ऑपरेशन सिंदूर होता तो हिमत नहीं करता

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर 26/11 हमलों की 17वीं बरसी के मौके पर ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025 कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- पाकिस्तान जानता है कि वह सीधे युद्ध में भारत को नहीं हरा सकता, इसलिए उसने पहलगाम आतंकी हमला और दिल्ली ब्लास्ट किया।

सीएम ने कहा- मुंबई में 26 नवंबर 2008 (26/11) को आतंकवादी हमला भारत की संप्रभुता पर हमला था। अगर तब हमने ऑपरेशन सिंदूर करने साहस दिखाया होता, तो आज कोई हम पर हमला करने की हिम्मत नहीं करता। लेकिन हमने उस समय वह साहस नहीं दिखाया।

फडणवीस ने आगे कहा- आतंकियों ने 2001 में 9/11 हमले के लिए अमेरिका के ट्विन टावर्स को चुना था। अमेरिका की ताकत ट्विन टावर्स में है। इसलिए, वहां हमला करके, उन्होंने अमेरिका की संप्रभुता को चुनौती दी थी। इसी तरह, भारत की संप्रभुता को चुनौती देने के लिए मुंबई को चुना गया था।

मुख्यमंत्री की पत्नी अमृता फडणवीस ने गेटवे ऑफ इंडिया पर ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025 कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इसमें रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी, बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और रणवीर सिंह, सिंगर शंकर महादेवन सहित कई दिग्गज शामिल हुए।

फडणवीस बोले- 17 साल बाद भी दिल में मुंबई हमले का दर्द : फडणवीस ने कहा- मुंबई हमले के 17 साल बीत चुके हैं, फिर भी हमारे दिलों में दर्द है। आतंक का खतरा अभी भी बना हुआ है और हमें सतर्क रहने की जरूरत है। हमें अपने देश की आंख और कान बनना होगा और एक ही भाषा बोलनी होगी। अगर हम एकजुट हैं तो हम सुरक्षित हैं।

सीएम ने दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े व्हाइट टेरर मॉड्यूल मामले में 3,000 किलोग्राम विस्फोटक जब्त करने में कामयाब होने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की सराहना की। फडणवीस ने कहा- आज हमारे पास एक बदला हुआ भारत है।

आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद ऑर्केस्ट्रा जैसा था

हर म्यूजिशियन ने भूमिका निभाई, 22 मिनट में सेना ने 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद ऑर्केस्ट्रा की तरह था, जहां हर म्यूजिशियन ने एक साथ मिलकर काम करने वाली भूमिका निभाई, इसी तरह 22 मिनट में भारतीय सेना ने 9 आतंकी जगहों को तबाह कर दिया। उन्होंने कहा- मिलिट्री ऑपरेशन में हालात के बदलने के साथ बदलाव का अंदाजा लगाने की दूर की सोच दिखाई देती है। यह एक ऐसा जवाब था जो उस पल में नहीं बल्कि सालों की सोच से बना था कि कैसे इंटेलिजेंस, सटीकता और टेक्नोलॉजी मिलकर एक्शन में बदल सकती हैं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले किए और उसके बाद भारत के सभी जवाबी हमले भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए। न्यूक्लियर हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच करीब 88 घंटे तक चली मिलिट्री लड़ाई 10 मई की शाम को एक समझौते पर पहुंचने के बाद रुक गई।

मौलाना मदनी बोले- मुसलमान लंदन-न्यूयॉर्क में मेयर बन सकता है

भारत में यूनिवर्सिटी का चांसलर भी नहीं, कोशिश करेगा तो आजम-जवाद जैसे जेल जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट की जांच के बीच जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मोलाना अरशद मदनी ने मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि मुसलमान लंदन-न्यूयॉर्क में मेयर बन सकता है, लेकिन भारत में किसी यूनिवर्सिटी का चांसलर भी नहीं। मदनी ने कहा- दुनिया समझती है कि मुसलमान खत्म हो गए, लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता। जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क और सादिक खान लंदन के मेयर बने हैं, लेकिन भारत में किसी मुसलमान को विश्वविद्यालय का कुलपति बनने का मौका नहीं मिलता। मदनी ने कहा कि अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है, तो उसे सपा नेता आजम खान की तरह बेटे के साथ जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने आजम खान के साथ अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जवाद अहमद सिद्दीकी का भी उदाहरण दिया, जो फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टडी में हैं।

कांग्रेस, सपा ने मदनी के बयान का समर्थन किया

कांग्रेस नेता उदित राज ने अरशद मदनी के बयान का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अगर अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े किसी व्यक्ति ने आतंक को बढ़ावा देने वाला काम किया है, तो उसकी सख्त जांच होनी चाहिए। आतंकवाद के लिए कोई माफी नहीं हो सकती। उदित ने साथ ही सवाल उठाया कि पूरी यूनिवर्सिटी को क्यों निशाना बनाया जा रहा है और मुसलमानों के घरों पर बुलडोज़र क्यों चलाए जा रहे हैं? उन्होंने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा, वहां किसी धर्म या समुदाय के साथ भेदभाव नहीं किया जाता, इसलिए वह दुनिया का महान देश माना जाता है।

पुलिस की गिरफ्त में बीस कालनेमि

हरिद्वार, एजेंसी। समूचे प्रदेश में बाबाओं का वेष धारण कर लोगों को ठगने वाले फर्जी बाबाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नगर कोतवाली पुलिस ने 20 फर्जी बाबाओं को हिरासत में लिया है।

जानकारी के मुताबिक प्रदेश सरकार के निर्देश पर समूचे उत्तराखण्ड में आपरेशन कालनेमि गतिमान है। इसी के चलते नगर कोतवाली पुलिस ने हरकी पैड़ी एवं आसपास के घाटों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान धर्म की आड़ में धोखाधड़ी करने वाले, बिना पहचान पत्र के रहने वाले तथा संदिग्ध गतिविधियों में पाए गए 20 व्यक्तियों को ऑपरेशन कालनेमि के तहत हिरासत में लिया। पुलिस आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्यवाही में जुटी है।

लॉरी की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर, एजेंसी। जिले के मेदिनीपुर सदर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार लॉरी की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने पथावरोध कर विरोध-प्रदर्शन किया। घटना शनिवार देर रात माईतिर गोला इलाके में हुई।

मिली जानकारी के अनुसार, मेदिनीपुर से केशपुरगामी मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार से आ रही एक लॉरी ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर खाकर युवक सड़क पर गिर पड़ा और पीछे से आ रही वही लॉरी उसके ऊपर से गुजर गई। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

मृतक युवक की पहचान रबिउल अली (28) के रूप में हुई है, जो मेदिनीपुर के बनपुरा इलाके का निवासी था।

स्थानीय और पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, रबिउल एलाहिगंज क्षेत्र में काम खत्म कर अपने घर लौट रहा था, तभी यह भयावह

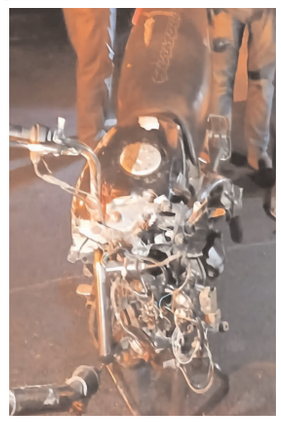

हादसा हो गया। सूचना मिलते ही मेदिनीपुर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक तथा घटना में शामिल लॉरी को जब्त कर लिया है।

हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और घंटों तक अवरोध कर विरोध जताया। बाद में पुलिस ने समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

घटना से इलाके में शोक और

केशियाड़ी में मोटरबाइक दुर्घटना, तीन घायल

पश्चिम मेदिनीपुर, एजेंसी। जिले के केशियाड़ी थाना क्षेत्र के चाकला इलाके में शनिवार शाम एक मोटरबाइक दुर्घटना में एक व्यक्ति सहित दो बालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति दो बच्चों को साथ लेकर मोटरबाइक से बाजार में मांस खरीदने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी एक ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों ही सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके

पर पहुंचकर तीनों घायलों को केशियाड़ी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि एक बालक की स्थिति चिंताजनक है, जिसे बेहतर इलाज के लिए अन्य अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। उधर, घटना की खबर पाकर केशियाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू कर दी है।

बर्दवान में जमीन विवाद को लेकर चली गोली, इलाके में

बर्दवान, एजेंसी। बर्दवान शहर 18 नंबर वार्ड के कोलाघाट इलाके में जमीन विवाद को लेकर गोली चलने की घटना घटी। घटना की खबर मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, स्थानीय व्यापारी सुबीर मंडल का लंबे समय से पड़ोसियों के साथ घर के पास की एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार रात यह विवाद अचानक बढ़ गया। जानकारी के अनुसार सुबीर मंडल का पड़ोसियों के साथ पहले गर्मागर्म बहस हुई, जिसके बाद उन्होंने अपनी लाइसेंस प्राप्त बंदूक से कथित तौर पर फायरिंग की।

हालांकि राहत की बात यह है कि गोली किसी को नहीं लगी और हवा में चलाई गई। सुबीर मंडल के परिवार ने आरोप लगाया है कि स्थानीय लोगों ने लंबे समय तक उनके घर को घेरकर रखा। परिवार ने पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही भीड़ गेट तोड़कर घर के अंदर घुसने लगी।

उनके अनुसार, आत्मरक्षा में सुबीर ने हवा में फायरिंग की ताकि भीड़ को रोका जा सके। दूसरी ओर, स्थानीय लोगों का कहना है कि वे एक बैठक कर रहे थे, तभी अचानक सुबीर मंडल के घर से गोली चलने की आवाज आई। इसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने स्थिति को शांत किया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी या हिरासत में लेने की खबर नहीं है।

डेढ़ किलो ब्राउन शुगर के साथ एक

सिलीगुड़ी, एजेंसी। सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और भक्तिनगर थाने की पुलिस की संयुक्त अभियान चलाकर डेढ़ किलो ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम दीनबंधु बर्मन (27) है।

पुलिस के अनुसार, एसओजी और भक्तिनगर थाने की पुलिस ने शनिवार देर रात गुप्त सूचना पर नेशनल हाइवे-10 स्थित इंदिरा गांधी मैदान के पास अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध एक बाइक को रोककर तलाशी ली गई। बाद में आरोपित के पीठ पर लटके बैग से पुलिस को दो पैकेट से डेढ़ किलो ब्राउन शुगर बरामद हुआ।

जिसके बाद आरोपित को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया। जब्त ब्राउन शुगर का अनुमानित बाजार मूल्य 15 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने दीनबंधु बर्मन को दबोच लिया और तस्करी में इस्तेमाल की गई हाई-स्पीड बाइक को भी जब्त कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

भयावह सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

सिलीगुड़ी, एजेंसी। सिलीगुड़ी में देर रात भयावह सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान ब्रिज मोहन प्रसाद (66), अरुण कुमार गुप्ता (48) और राज कुमार गुप्ता (51) के रूप में हुई है। तीनों वेस्ट सिक्किम के निवासी थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों एक गाड़ी से सिलीगुड़ी में शादी समारोह में शामिल होने आए थे। शादी के बाद तीनों देर रात सिक्किम लौट रहे थे। जैसे ही उनका गाड़ी बंगाल सफारी से आगे आठ माइल के करीब पहुंचा। उस समय सामने से आ रही एक तेज रफ्तार मालवाही ट्रक ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

घटना में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही भक्ति नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बरामद कर सेवक रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां तीनों की मौत हो गई। घटना के बाद रविवार सुबह सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के ट्रैफिक डीसीपी काजी शमसुद्दीन अहमद ने घटनास्थल के निरीक्षण पर पहुंचे। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

अज्ञात युवक का शव बरामद

सिलीगुड़ी, एजेंसी। चामटा रेल ब्रिज के नीचे से एक अज्ञात युवक का शव मिलने से रविवार को सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले शव को देखा बाद में माटीगाड़ा थाना और रेलवे पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पाकर जंक्शन टाउन जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया।

सूत्रों के अनुसार, सुबह युवक को रेल ब्रिज के किनारे चलते हुए देखा गया था। स्थानीय लोगों का मानना है की तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से युवक की

मौत हुई है। धक्का लगते ही वह रेल ब्रिज के नीचे गिर गया। खबर लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी श। पुलिस युवक की शिनाख्त में जुट गई है।

डीजे पर विवाद में युवक की हत्या के मामले में छह को आजीवन कारावास

हरिद्वार, एजेंसी। लक्सर कोतवाली क्षेत्र के गांव अकौड़ा खुर्द में चार साल पहले शादी के दौरान डीजे पर हुए विवाद में युवक की हत्या के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने छह आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने उन पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। लक्सर कोतवाली क्षेत्र के अकौड़ा खुर्द गांव में 7 जुलाई 2021 को अतर सिंह की पुत्री का विवाह था। पिरान कलियर क्षेत्र के मोहम्मदपुर पांडा गांव से बारात आई थी। शादी में डीजे पर मनपसंद गाना बजाने को लेकर गांव के युवकों और बारातियों के बीच झगड़ा हो गया था। ग्रामीणों ने बारातियों पर लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला कर दिया था।

बराहनगर गोलीकांड का खुलासा, पत्नी सहित चार गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। उत्तर 24 परगना जिला अन्तर्गत बराहनगर थाना क्षेत्र के रवीन्द्र नगर में बुधवार सुबह लगभग 6ः30 बजे हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने मात्र 48 घंटे में सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया। कचरा फेंकने निकले विकाश मजूमदार पर अज्ञात व्यक्तियों ने एक गोली चलाई थी, जिसमें उन्हें हल्की चोट आई थी।

घटना के उपरांत पुलिस ने विभिन्न कोणों से जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों तथा स्थानीय पूछताछ के आधार पर पुलिस ने चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनमें दो शूटर मटियाब्रुज क्षेत्र से पकड़े गए।

पकड़े गए आरोपित -

1. रेखा मजूमदार (पत्नी), मुख्य षड्यंत्रकर्ता,
2. प्रदीप दे फतेहपुर, थाना मटियाब्रुज –रेखा का अवैध संबंध
3. सुसांत आदक, मटियाब्रुज – मोटरसाइकिल चालक

4. मो. शमीम लस्कर, बसंती –गोली चलाने वाला हमलावर पुलिस के अनुसार, इस घटना के पीछे रेखा मजूमदार और प्रदीप दे के अवैध संबंध प्रमुख कारण हैं।

सभी आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां पुलिस ने हथियार तथा अन्य साक्ष्य बरामद करने हेतु पुलिस रिमांड (पी.सी.) की प्रार्थना की है।

बराहनगर थाना की पुलिस इस प्रकरण में आगे की जांच में जुटी है।

अमेरिकी एआई शोधकार्य में चीनी अप्रवासियों के महत्वपूर्ण योगदान पर चर्चा हुई आम

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की वैज्ञानिक टीम में 7 चीनी वैज्ञानिक शामिल

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका वाकई अपने फायदे के लिए किसी भी स्तर पर जा सकता है। यदि यकीन नहीं आए तो एआई रिसर्च टीम में शामिल चीनी वैज्ञानिकों से संबंधित मीडिया रिपोर्ट को देख सकते हैं, जिसमें बताया गया है कि अमेरिका की एआई (एआई) रिसर्च में चीनी अप्रवासी वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण योगदान को लेकर अमेरिका में चर्चा हो रही है। दरअसल मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा घोषित नई सुपर इंटेलिजेंस लैब की 11 वैज्ञानिकों की टीम में से 7 वैज्ञानिक चीन से हैं, जबकि बाकी 4 भारत, ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से हैं। यह दिखाता है कि अमेरिका में हो रहा बड़ा और क्रांतिकारी एआई रिसर्च काफी हद तक चीनी वैज्ञानिकों की मदद से आगे बढ़ रहा है। मेटा ही नहीं, बल्कि एप्पल, गूगल, इंटेल, सेल्सफोर्स और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियों ने भी चीनी संगठनों के साथ मिलकर कई अहम एआई रिसर्च पेपरों पर काम किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने कम से कम 92 अहम पेपरों में साझेदारी की है। 2020 के एक रिसर्च में अनुमान लगाया गया था कि दुनिया के टॉप-एआई वैज्ञानिकों में लगभग एक-तिहाई चीन से हैं, और इनमें से ज्यादातर अमेरिकी संस्थानों में कार्यरत हैं।

2019 में अमेरिका की यूनिवर्सिटीज और कंपनियों में काम कर रहे 100 शीर्ष चीनी शोधकर्ताओं में से 87 आज भी वहीं काम कर रहे हैं, जो चैटजीपीटी के आने के बाद एआई बूम के दौरान भी चीनी टैलेंट के बने रहने को दर्शाता है। अमेरिका और चीन के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, 2018 के बाद से दोनों देशों ने एआई पर मिलकर सबसे ज्यादा रिसर्च किया है, जो किसी भी अन्य दो देशों के सहयोग से अधिक है। अमेरिकी अधिकारियों और सिलिकॉन वैली के भीतर चीनी वैज्ञानिकों की भागीदारी को लेकर मौजूद चिंता और इसके फायदे के बीच के द्वंद्व को भी उजागर करता है। अमेरिकी अधिकारियों का एक वर्ग चीन को एआई के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा मानता है। सिलिकॉन वैली में कुछ लोगों को डर है कि चीनी नागरिक अमेरिकी कंपनियों की तकनीक और रिसर्च को चीन सरकार को दे सकते हैं। ट्रंप सरकार द्वारा अपनाई गई सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी और सिलिकॉन वैली में बढ़ती चीन विरोधी भावना भी इस डर का हिस्सा हैं। जानकार का मानना है कि इन खतरों के बावजूद, चीनी शोधकर्ताओं के साथ काम करने के फायदे कहीं ज्यादा बड़े हैं। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की एक्सपर्ट हेलेन टोनर के अनुसार, चीनी प्रतिभाओं पर पाबंदियां लगाना अमेरिका की एआई बढ़त को नुकसान पहुंचा सकता है और उनके बिना सिलिकॉन वैली वैश्विक दौड़ में पिछड़ सकती है।

इस्राइली खुफिया एजेंसी का दावा- अब यूरोप में हमले की साजिश रच रहा हमास, आतंकी नेटवर्क कर रहा तैयार

तेल अवीव ,एजेंसी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने दावा किया है कि फलस्तीनी संगठन हमास पूरे यूरोप में आतंकी हमलों की साजिश रच रहा है। इसके लिए हमास द्वारा स्लीपर सेल द्वारा आतंकी नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। एक बयान में मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है और हथियारों को जब्त किया है। साथ ही कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और हमलों को रोका गया है।

कई देशों से संदिग्धों को पकड़ा गया: मोसाद का कहना है कि हमास का आतंकी नेटवर्क यूरोप में यहूदी समुदाय और इस्राइली नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी, ऑस्ट्रिया जैसे देशों में भी मोसाद ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित ऑपरेशन चलाकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पिछले सितंबर में वियना में ऑस्ट्रिया की डीएनएस सिक्योरिटी

सर्विस ने हथियारों का एक जखीरा ढूंढा, जिनमें विस्फोटक और हैंडगन शामिल थे। सुरक्षा बलों ने मोहम्मद नईम नामक संदिग्ध के बारे में पता लगाया, जांच में पता चला कि मोहम्मद नईम हमास के शीर्ष ब्यूरो अधिकारी बासेम नईम का बेटा है, जो गाजा में हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हया का करीबी बताया जा रहा है।

हमास नेतृत्व पर मदद का आरोप: मोसाद ने आरोप लगाया कि हमास का नेतृत्व भी यूरोप में आतंकी नेटवर्क तैयार करने में मदद कर रहा है। तुर्किए में भी हमास के संगठन बेस की जांच चल रही है। जर्मनी ने बीते दिनों हमास ऑपरेटिव बुरहान अल खतीब को गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि वह जर्मनी आने से पहले तुर्किए में ही सक्रिय था। जर्मनी में उन संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी टारगेट किया जा रहा है, जिन पर हमास के लिए फंड जुटाने और कट्टरपंथी सोच फैलाने का आरोप है। मोसाद ने दावा किया कि 7 अक्तूबर को इस्राइल पर हमले के बाद से हमास ने अपनी विदेश में गतिविधियों को तेज कर दिया है।

भिखारियों का देश का बना पाकिस्तान! देश में हैं 3.8 करोड़ भिखारी

रोज औसतन कमाई 2000, अमीर मुल्कों में 90 फीसदी पाक भिखारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में भीख मांगना अब 42 अरब डॉलर की इंडस्ट्री बन चुका है। इस इंडस्ट्री में शामिल लोगों की संख्या 3 करोड़ 80 लाख के पार हो चुकी है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान पूरी दुनिया में भिखारियों का सप्लायर भी बनकर उभरा है। आज सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे अमीर मुल्कों में मौजूद भिखारियों में 90 फीसदी से अधिक पाकिस्तानी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 23 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले पाकिस्तान में 3.8 करोड़ भिखारी हैं। इन भिखारियों की एक बड़ी तादाद विदेशों में है। ये भिखारी भीख मांगने के लिए बाकायदा वीजा लेकर खाड़ी देशों में जाते हैं। इनमें से अधिकतर भिखारी, मक्का, मदीना, दुबई, शारजाह, अबू धाबी जैसे बड़े शहरों में भीख मांगते हैं। ये देश हर साल बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी भिखारियों को पकड़कर डिपोर्ट भी करते हैं। इसके बावजूद इन देशों में पाकिस्तानी भिखारियों की संख्या बहुत ज्यादा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि करांची में एक भिखारी रोज औसतन 2000 रुपए, लाहौर में 1400 रुपए और इस्लामाबाद में 950 रुपए कमाता है। हालांकि पाकिस्तान में प्रति भिखारी यह कमाई औसतन 850 रुपए है। शहरों के हिसाब से भिखारियों की कमाई बदलती रहती है। इनमें से ज्यादातर भिखारी धार्मिक स्थलों, सिग्नलों और सड़कों पर घूमकर भीख मांगते हैं। भिखारियों की बढ़ती संख्या के कारण इस्लामाबाद और लाहौर में कई सार्वजनिक स्थानों पर भिखारियों की एंट्री पर बैन लगा दिया है।

पाकिस्तान में सबसे ज्यादा भिखारी करांची में हैं। करांची में गरीबी, सड़कों की बुरी स्थिति, रोजगार का न होना और आबादी का बहुत ज्यादा बढ़ना प्रमुख कारण है। दूसरे स्थान पर लाहौर है। लाहौर में भिखारियों की ज्यादा संख्या का सबसे बड़ा कारण वहां होने वाली कमाई है। करांची में लोग भिखारियों को सबसे ज्यादा भीख देते हैं। इस्लामाबाद में इनकी संख्या बहुत कम है, क्योंकि सरकारी ऑफिसों, अधिकारियों और राजनेताओं के आवासों, विदेशी गणमान्य नागरिकों की यात्राओं के कारण इस्लामाबाद में भिखारियों पर सख्ती की जाती है।

आसमान में दिखे ड्रोन दहशत, नीदरलैंड्स ने किया एयरपोर्ट बंद

यूक्रेन ने रूसी हेलिकॉप्टर उड़ाया

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड्स के दक्षिणी शहर आइंधोवन एयरपोर्ट पर शनिवार शाम अचानक हड़कंप मच गया। आसमान में कई ड्रोन दिखाई देने के कारण एयर ट्रैफिक को पूरी तरह रोक दिया गया। डच रक्षा मंत्री रुबेन ब्रेकलमैन्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ड्रोन की मौजूदगी मिलने के तुरंत बाद सभी उड़ानें कुछ घंटों के लिए निर्लबित कर दी गईं। रात करीब 11 बजे स्थिति सामान्य होने पर हवाई यातायात फिर से शुरू किया गया।आइंधोवन एयरपोर्ट की खासियत यह है कि यह नागरिक और सैन्य दोनों तरह की उड़ानों के लिए इस्तेमाल होता है। यही वजह रही कि ड्रोन दिखते ही सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं और हर प्रकार का हवाई यातायात तुरंत बंद कर दिया गया। एक दिन पहले ही 21 नवंबर की रात डच सेना ने वोल्केल एयर बेस के ऊपर उड़ते ड्रोनों पर हथियारों से हमला किया था। यह सैन्य अड्डा आइंधोवन से मात्र 40 किलोमीटर दूर है। इन लगातार घटनाओं ने यूरोप में ड्रोन खतरों की गंभीरता को रेखांकित कर दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने ड्रोनों के स्रोत के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी देने से इनकार कर दिया। पिछले कुछ महीनों में यूरोप के हवाई क्षेत्र में अनधिकृत ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सितंबर में 20 से अधिक रूसी ड्रोन पोलैंड के एयरस्पेस में घुस आए थे। उसी दौरान रूसी फाइटर जेट ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र का 12 मिनट तक उल्लंघन किया था। यूरोपीय आयोग की

अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इन घटनाओं को 'हाइब्रिड वॉरफेयर' का हिस्सा बताया है। इसमें दुश्मन सीधे सैन्य हमला करने की बजाय अस्थिरता और भय पैदा करने की रणनीति अपनाता है।

इसी बीच यूक्रेन ने ड्रोन युद्ध में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यूक्रेनी स्पेशल फोर्सेज ने पहली बार रूस के अंदर 'डीप स्ट्राइक' ड्रोन से उड़ते हुए रूसी एमआई-8 हेलिकॉप्टर को मार गिराया। यह हेलिकॉप्टर करीब 11 मिलियन पाउंड का था। जारी फुटेज में साफ दिख रहा है कि जैसे ही हेलिकॉप्टर निशाने पर आया, ड्रोन ने उसे हवा में ही ध्वस्त कर दिया। यह हमला रूस के रोस्तोव ओब्लास्ट क्षेत्र में हुआ। यूक्रेन की एसएसओ इकाई ने कहा, 'हम खेल के नियम बदल रहे हैं, अब हम शिकारी बन गए हैं।' उन्होंने इसे तकनीक, योजना और पायलटों की रचनात्मकता का शानदार उदाहरण बताया। इस सफलता ने रूसी सेना को कई अनसुलझे सवालों में उलझा दिया है। इसके पहले यूक्रेन की मोबाइल टीम ने मैन-पोर्टेबल सिस्टम से रूसी कैलिबर क्रूज मिसाइल को भी बीच हवा में नष्ट कर दिया था।

192 श्रद्धालु तीर्थ यात्रा पर रवाना, रामेश्वरम-मदुरई में करेंगे दर्शन; सांसद ने बस को दिखाई हरी झंडी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत सीधी जिले से 192 श्रद्धालु रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। रविवार सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से चार बसों में यात्रियों को श्रद्धापूर्वक रवाना किया गया। सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया।

अपर कलेक्टर बी.पी. पांडे ने बताया कि इस यात्रा के लिए जिले से कुल 179 पात्र नागरिकों का चयन किया गया है, जबकि 13 यात्रियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया था। सभी चयनित श्रद्धालु रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ दर्शन के लिए प्रस्थान कर रहे हैं। शासन द्वारा इस यात्रा का बोर्डिंग स्टेशन रीवा निर्धारित किया गया है, जहाँ से तीर्थयात्रियों को विशेष ट्रेन के माध्यम से गंतव्य तक पहुँचाया जाएगा।

कलेक्टर कार्यालय से रवाना हुई बसों में यात्रियों के भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा और व्यवस्था की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन के जिम्मे रहेगी। जिला प्रशासन ने सभी यात्रियों के लिए पानी, चिकित्सा सहायता और एक सहायक दल की व्यवस्था भी की है।

कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने यात्रियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह योजना बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संवेदना और सेवा का उदाहरण है, जो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। यात्रा के दौरान बसों में उत्साह, भजन और आध्यात्मिक उमंग का माहौल देखा गया। यात्रियों के चेहरों पर प्रसन्नता और भावनात्मक संतोष स्पष्ट झलक रहा था। प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और परिजनों की मंगलकामनाओं के बीच बसें अगले पड़ाव रीवा रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हो चुकी हैं। सभी यात्री 6 दिवसीय पवित्र यात्रा के बाद वापस लौटेंगे।

पकड़ी गई 5 लाख की अवैध रेत, जियावन पुलिस ने जब्त किया ट्रैक्टर; आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जियावन थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। रविवार को बिना रॉयल्टी की रेत ले जा रहे एक ट्रैक्टर को जब्त कर ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया। जब्त रेत की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपए है।

लगातार मिल रही शिकायतों पर हुई कार्रवाई: थाना प्रभारी रोशनी कुर्मी ने बताया कि बीते दिनों अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी के मद्देनजर पुलिस टीम गश्त पर निकली थी। गश्त के दौरान मुख्य मार्ग पर एक ट्रैक्टर संदिग्ध अवस्था में दिखा, जिसे रोककर जांच की गई।

ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज: जांच में पाया गया कि ट्रैक्टर में भरी रेत के संबंध में कोई वैध रॉयल्टी या दस्तावेज मौजूद नहीं थे। ड्राइवर रेत परिवहन के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। पुलिस ने अवैध परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर को जब्त कर चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

टीआई बोले-आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई: थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध रेत माफिया पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर अवैध खनन और परिवहन को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा और ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि अवैध रेत कारोबार पर पूरी तरह नियंत्रण किया जा सके।

संजय टाइगर रिजर्व में बाघिन 'बचईया' दिखी, -28 की बेटी पहली बार पर्यटकों की गाड़ियों के बीच से निकली

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कुसमी क्षेत्र स्थित संजय टाइगर रिजर्व में रविवार सुबह वन्यजीवन प्रेमियों के लिए एक यादगार पल आया। सुपर मॉम बाघिन टी-28 की बेटी 'बचईया' पहली बार मॉर्निंग सफारी के दौरान पर्यटकों की गाड़ियों के बीच खुलकर दिखाई दी। उसकी शांत और स्वाभाविक मौजूदगी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह पहला अवसर था जब 'बचईया' इतनी निकटता से पर्यटकों के सामने आई। आमतौर पर कोर क्षेत्र में रहने वाली यह बाघिन अचानक सड़क पर आ गई और बिना किसी घबराहट के दोनों तरफ खड़ी सफारी गाड़ियों के बीच से होकर आगे निकल गई। इस अद्भुत दृश्य को पर्यटकों ने अपने कैमरों और मोबाइल फोन में कैद कर लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 'बचईया' पूरी तरह शांत थी और ऐसा लग रहा था मानो वह मनुष्यों की उपस्थिति की अभ्यस्त हो चुकी हो। इस दौरान उसमें किसी भी प्रकार की घबराहट या आक्रामकता का कोई भाव नहीं दिखा, बल्कि उसकी चाल में एक अलग ही वन्य गरिमा झलक रही थी।

संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के वन अधिकारी राजेश कन्ना टी. ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए बताया कि बीते वर्षों में यहां बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संकेत है कि अब बाघ मानव उपस्थिति से भयभीत नहीं हो रहे हैं और अक्सर दिखाई देने लगे हैं।

अधिकारी ने आगे बताया कि इससे वन्य पर्यटन में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है और लोग संजय रिजर्व को बाघ दर्शन के एक प्रमुख स्थान के रूप में पहचानने लगे हैं। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है, जिसे लोग संजय टाइगर रिजर्व के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बता रहे हैं।

कलेक्टर ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही पर वेतन काटे,बोले- वोटर्स की डिटेल का सत्यापन जरुरी; सेक्टर अधिकारी के 15 दिन के वेतन-भत्ते में कटौती

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर एक सेक्टर अधिकारी के 15 दिन के वेतन-भत्ते में कटौती के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई शनिवार रात को की गई। प्रभावित अधिकारी रामायण प्रसाद द्विवेदी, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ अधिकारी अमिलिय और विधानसभा क्षेत्र 78 सिहावल के सेक्टर अधिकारी क्रमांक-5 हैं। उन पर निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के कार्य में उदासीनता का आरोप है।

एसआईआर में लापरवाही से सेक्टर अधिकारी पर कार्रवाई: यह कार्रवाई उपखण्ड अधिकारी और निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र 78 सिहावल की ओर से प्रस्तुत एक प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। प्रतिवेदन में बताया गया है कि एसआईआर के तहत 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक डोर-टू-डोर सर्वे कर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन किया जाना था। इस प्रक्रिया में मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान करना, फॉर्मों का वितरण और संग्रहण करना और बीएलओ ऐप के माध्यम से समयबद्ध डिजिटलीकरण सुनिश्चित करना शामिल था।

रफ्तार तेज 2 बाइकों की टक्कर, युवक की मौत 2 घायल; अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। केशवाही चौकी अंतर्गत बुढार मार्ग पर स्थित एक तालाब के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे में केशवाही निवासी संजय पिता शुभकरण की मौत हुई है। दूसरी बाइक पर सवार दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने तत्काल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल लाया गया है।

दोनों बाइकों की रफ्तार तेज होने के कारण हादसा: पुलिस ने बताया कि दोनों बाइकों की रफ्तार तेज होने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और विस्तृत जांच की जा रही है।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब यातायात पुलिस सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को रोकने के लिए लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का अभियान चला रही है।

नगर में नुक्कड़ नाटक और शिविरों के माध्यम से बाइक चालकों को हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी जा रही है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान का अपेक्षित प्रभाव नहीं दिख रहा है, जिसके कारण आए दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है।

रात का तापमान गिरा, पारा 11 डिग्री पहुंचा, कोहरे से बढ़ी ठंड; दिन में भी जलीं वाहनों की हेडलाइट, नमी ने इलाकों में बढ़ाई सर्दी

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। शनिवार रात से रविवार सुबह के बीच तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इस बदलाव से ठंड का असर आम जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार रात का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस था, जो रविवार सुबह घटकर लगभग 11 डिग्री सेल्सियस हो गया। सुबह के समय जिले में घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिब्लिटी काफी कम हो गई। इसके कारण मुख्य मार्गों पर वाहन चालकों को धीमी गति से चलना पड़ा और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में भी देरी की शिकायतें मिलीं। कोहरे ने ठंड के प्रभाव को और बढ़ा दिया।

विशेषज्ञ बोले-घना कोहरा और नमी ने इलाकों में बढ़ाई सर्दी: मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि जिन इलाकों में घना कोहरा था, वहां सतह से निकलने वाली नमी और ठंडी हवाओं के कारण 'महसूस होने वाला' तापमान वास्तविक से भी कम रहा। सरई, माडा और चितरंगी जैसे ग्रामीण इलाकों में ठंडी हवाओं का असर अधिक महसूस किया गया। प्रशासन ने बच्चों, बुजुर्गों और दैनिक कामकाजी लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

हार्वेस्टर ऑपरेटर की संदिग्ध मौत, धान की कटाई के खेत में गिरा; पानी पीने से पहले ही हुई मौत

मीडिया शहडोल ऑडिटर, (निप्र)। जिले के ब्यौहारी में धान की कटाई के दौरान एक हार्वेस्टर ऑपरेटर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। यह घटना आखेटपुर गांव में हुई। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक हार्वेस्टर ऑपरेटर सीधी जिले के मझौली का निवासी था। वह ब्यौहारी के आखेटपुर गांव में धान कटाई और गहाई के काम के लिए आया था। खेत में काम करते समय उसे अचानक सीने में दर्द हुआ।

दर्द होने पर उसने पानी मांगा, लेकिन पानी मिलने से पहले ही वह वहीं गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान रामनरेश भुरतिया (जिला सीधी) के रूप में की है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम करवा लिया गया है।

सोन नदी में दिखा घड़ियाल, चंबल नदी से लाया गया था; देखने के लिए उमड़ी भीड़

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शिकारगंज क्षेत्र में सोन नदी किनारे एक घड़ियाल दिखने से दहशत फैल गई है। यह घड़ियाल सोन घड़ियाल अभयारण्य के तहत चंबल से लाए गए घड़ियालों में से एक है, जो पहली बार नदी के बिल्कुल करीब तक पहुंच गया। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने नदी के पास जाना बंद कर दिया है। प्रदेश में विकसित किए जा रहे दूसरे सोन घड़ियाल अभयारण्य के तहत चंबल से कुल 25 घड़ियाल लाए गए थे। इनमें से 13 घड़ियालों को पहले ही योगदान घाट में छोड़ा जा चुका था, जबकि शेष 12 घड़ियालों को हाल ही में शिकारगंज संगम क्षेत्र में छोड़ा गया है।

शिकारगंज में सोन नदी, बनास नदी और महान नदी का पवित्र संगम है। धार्मिक महत्व के कारण यह स्थान प्रत्येक त्योहार पर हजारों श्रद्धालुओं से भरा रहता है। हालांकि, अब घड़ियाल के दिखने के बाद लोग नदी के पास जाने से डर रहे हैं। रविवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शैलेंद्र सिंह ने ड्रोन कैमरे से एक घड़ियाल को नदी के बिल्कुल नजदीक बैठे हुए रिकॉर्ड किया। यह घड़ियाल उसी स्थान पर दिखा, जहां लोग अक्सर स्नान और पूजा के लिए आते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पूरे क्षेत्र में चिंता बढ़ गई।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, जिसमें रमाशंकर केवट और बबलू केवट शामिल थे। टीम ने घाट क्षेत्र में चेतावनी जारी करते हुए बताया कि घड़ियालों के निवास के लिए एक अलग क्षेत्र तैयार किया जा रहा है। तब तक लोगों को नदी के पास जाने से सख्ती से रोका जाएगा।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नदी के दोनों घाटों पर चार कर्मचारियों की लगातार ड्यूटी लगाई गई है। इसका उद्देश्य यह है कि कोई भी व्यक्ति पानी के करीब न जाए। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि स्थिति सुरक्षित होने तक नदी से दूरी बनाए रखें। विभाग ने चेतावनी दी है कि 'जरा सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।'

नाबालिग लड़की ने मुस्लिम युवक पर छेड़छाड़ का लगाया आरोप, मड़वास टीआई बोले- मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मड़वास थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की ने मुस्लिम युवक (50) बबलू खान पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। नाबालिग लड़की ने अपनी शिकायत में बताया कि वह शासकीय महाविद्यालय मड़वास में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। घटना सुबह करीब 10 बजे की है, जब वह कॉलेज से घर लौट रही थी। बाजार में बबलू खान की दुकान के सामने पहुंचने पर युवक ने उसे बुलाया और सामान लेने के बहाने दुकान में आने को कहा।

पीड़ित लड़की ने भाई को पूरी घटना की जानकारी दी: लड़की के मना करने पर बबलू खान ने कहा कि वह उसके पिता को जानता है। जब लड़की दुकान में गई, तो आरोपी ने उसका हाथ पकड़कर उसे जबरदस्ती अंदर खींच लिया और गलत तरीके से छूने लगा। लड़की ने विरोध किया तो उसने उसका मोबाइल छीनकर फ्लाइट मोड में डाल दिया। लड़की किसी तरह अपना मोबाइल छुड़ाकर दुकान से बाहर भागी और अपने भाई को घटना की जानकारी दी। इसके बाद वह अपने भाई और मां के साथ मड़वास थाने पहुंची और पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

आरोपी बबलू खान खाद-बीज और जनरल आइटम की दुकान चलाता है। मड़वास थाना प्रभारी भूपेश बैस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 173बी, 74, 75(1)(1), 127(2) और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 7, 5 और 8 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

विधानसभा क्षेत्र के 5 बीएलओ सम्मानित, कलेक्टर ने सराहना की; सर कार्य में शत-प्रतिशत उपलब्धि पर मिला प्रशस्ति पत्र

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विधानसभा क्षेत्र के पांच बीएलओ को निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण- 2026 (एसआईआर) कार्य में शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य पूरा करने के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें शाल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

सम्मानित होने वाले बीएलओ में मतदान केंद्र 283 बमुरी की नीतू दुबे, मतदान केंद्र 45 रोझौहा की ममता सिंह, मतदान केंद्र 243 रामपुर के प्रेमसागर शर्मा, मतदान केंद्र 33 अमरवाह के गोविन्द प्रताप सिंह चौहान और मतदान केंद्र 241 वार्ड 24 सीधी के इजरान मंसूरी शामिल हैं। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण डिजिटाइजेशन कार्य किया।

सभी बीएलओ का कलेक्टर ने सराहना की: इस अवसर पर अपर कलेक्टर और उप जिला निर्वाचन अधिकारी बी.पी. पाण्डेय और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 77 सीधी राकेश शुक्ला ने बीएलओ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि इन बीएलओ के समर्पित कार्य के कारण सीधी विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर डिजिटाइजेशन का 60 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है।

अपर कलेक्टर ने अन्य बीएलओ और अधिकारियों को शेष कार्य समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर दिया कि सटीक और अद्यतन मतदाता सूची लोकतंत्र की शक्ति है, इसलिए सभी अधिकारी इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी मझौली आर.पी. त्रिपाठी, उपखंड अधिकारी चुरहट शैलेष द्विवेदी, खनिज अधिकारी कपिल शुक्ला और तहसीलदार गोपद बनास राकेश शुक्ला भी उपस्थित रहे।

एमपी की लड़की को बिहार में रेडलाइट एरिया में बेचा,कोचिंग के बहाने बुलाया था पटना; एक महीने कराया देह व्यापार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। एक छात्रा को पटना (बिहार) में कोचिंग के नाम पर देह व्यापार के जाल में फंसाया गया था। वह गुरुवार रात बिहार के किशनगंज स्थित रेडलाइट एरिया से भाग निकली और बहादुरगंज थाने पहुंची। पुलिस ने उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए देर रात छापेमारी कर तीन अन्य लड़कियों को भी मुक्त कराया।

छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह एक महीने पहले सिंगरौली से पटना में कोचिंग के लिए आई थी। वहां उसकी मुलाकात दो लड़कियों से हुई, जिन्होंने उसे मॉल में नौकरी और बेहतर रहने की सुविधा का झांसा दिया। उनके झांसे में आकर छात्रा उनके साथ चली गई, जिसके बाद उसे किशनगंज के प्रेमनगर स्थित रेडलाइट इलाके में पहुंचा दिया गया। युवती के अनुसार, वहां उस पर कई दिनों तक देह व्यापार के लिए दबाव बनाया जाता रहा। गुरुवार रात युवती मौका पाकर पिछली गलियों से भाग निकली। उसने एनएच-327 के पास स्थानीय लोगों से मदद मांगी, जिन्होंने बहादुरगंज थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित थाने ले गई।

पढ़ने के लिए आई थी पटना: बहादुरगंज थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि युवती ने अपने प्रारंभिक बयान में स्पष्ट किया है लेकिन उसे किशनगंज ले जाकर देह व्यापार में धकेला गया।

टीचर्स ने यों नहीं समझा 10वीं लास के बच्चे का दर्द, बुलिंग से परेशान होकर कर लिया सुसाइड!

संपादकीय

दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश के रीवा तक, हाल की घटनाएं स्कूलों के माहौल पर बड़ा सवालिया निशान लगाती हैं। चार जगह चार मासूमों ने जान दी और सबके पीछे वजह यही थी कि टीचर्स ने उनके दर्द को नहीं समझा, उल्टे परेशान किया। इस तरह की घटनाएं किसी भी देश-समाज के लिए शर्मनाक हैं।

चार मामले: हालिया मामला दिल्ली का है, जहां 10वीं के बच्चे ने मेट्रो के सामने कूदकर जान दे दी। आरोप है कि टीचर्स उसे कई महीनों से परेशान कर रहे थे। इसी तरह रीवा में फांसी लगाने वाली 11वीं की छात्रा ने स्यूसाइड नोट में लिखा कि टीचर उसे मारते थे और हाथ पकड़ लेते थे। राजस्थान के करौली में 9वीं के बच्चे ने आखिरी शब्द लिखे कि मरने के बाद टीचर को जेल भिजवाना। वहीं, जयपुर केस में भी स्कूल की लापरवाही सामने आई है। इन सभी मामलों को देखा जाए, तो एक बात सामान्य है कि स्टूडेंट्स जितना दूसरे बच्चों के व्यवहार से नहीं टूटे, उससे ज्यादा उन्हें शिक्षकों के रुखेपन और अनदेखी की वजह से धक्का लगा। जयपुर वाले केस में 9 साल की बच्ची अपने टीचर्स को बताती रही कि दूसरे बच्चे उसे परेशान करते हैं, मगर स्कूल ने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

संवेदनशीलता की कमी: CBSE की गाइडलाइंस के मुताबिक, हर स्कूल में रिड्रेसल कमिटी होनी चाहिए, जहां बच्चों की समस्याओं का समाधान किया जा सके। लेकिन, अगर समस्याएं सुनी ही नहीं जाएंगी, तो ऐसी किसी कमिटी का कोई फायदा नहीं। ज्यादातर स्कूलों में आज भी बुलिंग को लेकर संवेदनशीलता नहीं है। इसे बच्चों के बीच की सामान्य बात मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार तो टीचर खुद ऐसा बर्ताव करते हैं, जिससे बाल/किशोर मन को ठेस पहुंचती है, जैसा दिल्ली में हुआ।

उम्र भर का दर्द: स्कूलों की घटनाओं का स्टूडेंट्स के मन-मस्तिष्क पर असर लंबे समय तक रहता है। कई बार तो जीवन भर। विभिन्न स्टडीज बताती हैं कि पढ़ाई के दौरान का नकारात्मक अनुभव बच्चों को हमेशा के लिए अवसाद में धकेल सकता है।

मनोदशा समझें: स्कूल या किसी भी कैंपस का मतलब केवल शिक्षा नहीं, स्टूडेंट्स का सर्वांगीण विकास है। और ऐसा तब तक नहीं हो सकता, जब तक टीचर्स अपने स्टूडेंट्स की बातों पर ध्यान नहीं देंगे, उनकी मनोदशा नहीं समझेंगे। घर के बाद बच्चा सबसे ज्यादा समय कैंपस में ही बिताता है। पैरंट्स अपने बच्चों को इस यकीन के साथ भेजते हैं कि स्कूल में टीचर हैं, जो सब संभाल लेंगे। इस तरह की घटनाएं उस भरोसे को तोड़ने वाली हैं।

शांति हेतु भगवान राम का ध्यान जरुरी

संजय गोस्वामी

मन बहुत चंचल होता है वो समय से भी तेज गति से भ्रमण करता है और मन कब अशांति की ओर जाता है जब आप किसी की बातों या अपने गलत काम करने से डर पैदा होता है भगवान राम का नाम ही पूर्ण ब्रह्माण्ड में बहुत तेजी से सकारात्मक ऊर्जा की तरह बहता है उसे पकड़ने की जरुरत है हम जब उनका ध्यान करते हैं तो मन शांत होता है और दया का भाव उत्पन्न होता है सभी धर्मों में मानवता ही सच्ची सेवा को उपदेश देती है इसलिए पहली बात तो यह है कि भगवान राम एक विचार है जिसे किसी भी धर्म से अलग थलग करना आपकी भूल है क्योंकि वो एक विचारों पर टीका है जिसमें सत्य न्याय अहिंसा और मानवता का संदेश देती है अतः जब ध्यान करेंगे तो भगवान राम की सकारात्मक ऊर्जा मिलती है जिससे मन में उठ रहे गलत विचारों का धीरे धीरे निकलने लगता है कुछ लोग पूछते हैं क्या ध्यान करेंगे लेकिन पहले कोशिश कर के देखिए कुछ समय के लिए मौन व्रत धारण कर ले और अपने अंदर आ रहे सभी गलत विचार को भगवान राम को सौंप दें और पूरे तनमन धन से भजन सुने उसके बाद आपका प्रेम भगवान राम के प्रति ऐसा उमड़ पड़ेगा की आप आपको उनके बिना मन व्याकुल हो जायेगा और कोई भी ताकत उससे अलग नहीं कर सकती है जैसे पानी के अंदर मछली रहती है और जो मछुआरा के पैर के पास रहती है वो उस जाल में नहीं फंसती और बच जाती है खैर मछली तो मछली है अगर जाल में फंस भी गई तो पानी के बिना दम तोड़ देगी अतः यदि मछली पानी के बिना नहीं रह सकती वैसे ही राम का भक्त भगवान राम के भवसागर में एक बार चली गई तो बापस आना नामुमकिन है क्योंकि शरीर राम के बिना नष्ट हो सकता लेकिन आत्मा नहीं और शरीर का नष्ट होना एक न एक दिन निश्चित है तो उस परमात्मा का ध्यान जरुरी है जो भावसागर पार करा सकता है राम का शब्द दिखने में जितना सुंदर है उससे कहीं महत्वपूर्ण है इसका उच्चारण। राम कहने मात्र से शरीर और मन में अलग ही तरह की प्रतिक्रिया होती है जो हमें आत्मिक शांति देती है। इसका आभास आपको मन में भगवान राम का ध्यान करने से होगा रामायण में कहा गया है तिनके हृदय बसहु रघुराया ॥ अर्थ ङ्क इसका अर्थ है कि जिस व्यक्ति पर भगवान श्रीराम की कृपा होती है, उसके जीवन में कोई भी दुख ज्यादा देर टिक नहीं सकता। तुलसी दास को राम नाम सुनना, बोलना और स्मरण करना श्रीराम और लक्ष्मण के समान ही प्यारा है। राम नाम का वर्णन करने में अर्थ और फल में भिन्नता जान पड़ती है, लेकिन यह जीव और ब्रह्म को समान भाव से सदैव एक रूप-रस में रखने वाला है। गोस्वामी तुलसीदास जी रामायण के एक चौपाई में कहते हैं

को बड़ छोट कहत अपराधू। सुनि गुन भेदु समुझिहहिं साधूदेखिअहिं रूप नाम आधीना। रूप ग्यान नहिं नाम बिहीना॥

जिसका अर्थ है इनमें से किसी को छोटा या बड़ा कहना अपराध है, इनके गुणों का भेद साधु पुरुषों से सुनकर ही समझ में आ सकता है। रूप को नाम के अधीन होकर ही देखा जा सकता है, नाम के बिना रूप का ज्ञान नहीं हो सकता है इसलिए भगवान राम का ध्यान कर ही उनके नाम की महिमा को समझी जा सकती यें जीवन बड़ी मुश्किल से मिला है विपरीत परिस्थिति में संयम से काम लें भगवान राम आपकी नइया पार लगा देंगे। एक और चौपाई में तुलसीहै दास जी कहते हैं राम नाम के दोनों अक्षर अत्यन्त मधुर और मनोहर हैं, जो वर्णमाला रूपी शरीर के नेत्रों के समान हैं। राम नाम सभी भक्तों को स्मरण करने में आसान और सुख को प्रदान करने वाला है, जो इस लोक में सुख देने के साथ-साथ भगवान के दिव्य धाम की प्राप्ति भी कराता है।

उनका जीवन, बलिदान और शिक्षा आज भी यह संदेश देती है कि धार्मिक स्वतंत्रता, मानव अधिकार और सत्य की रक्षा किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का कर्तव्य है। गुरु तेगबहादुर जी का जन्म 1 अप्रैल 1621 को अमृतसर में हुआ। पिता छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी माता नानकी जी थी। गुरु हरगोबिंद साहिब ने जिस युग में मिरी-पिरी यानी आध्यात्मिकता और शौर्य के संयोजन का मार्ग दिखाया था, उसी वातावरण में गुरु तेगबहादुर जी का संस्कार हुआ। बचपन का नाम था त्याग माल, क्योंकि वे स्वभाव से अत्यंत शांत, गंभीर, विचारशील और तपस्वी प्रवृत्ति के थे। बचपन से ही उन्हें आध्यात्मिक चिंतन,ध्यान और साधना,और शस्त्र-विद्या तीनों में दक्षता प्राप्त हुई। पिता गुरु हरगोबिंद साहिब की प्रेरणा से वे एक ओर गहन अध्यात्म में डूबे रहते, दूसरी ओर अत्याचार के विरुद्ध आवाज़ उठाने के लिए धैर्य, विवेक और साहस का मार्ग अपनाते।

गुरु तेगबहादुर जी का सपूर्ण जीवन न्याय, करुणा और सत्य की शक्ति का प्रतीक है

(24 नवम्बर शहीदी दिवस)

कांतिलाल मांडोत

सिख परंपरा के नौवें गुरु श्री गुरु तेगबहादुर जी भारतीय इतिहास के उन महानतम व्यक्तित्वों में हैं, जिनकी जीवन-यात्रा अपने भीतर त्याग, तप, शौर्य, करुणा और धर्म की स्वतंत्रता के सर्वोच्च सिद्धांतों को समेटे हुए है। वे न केवल सिख समुदाय के महान आध्यात्मिक गुरु थे, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के रक्षक, सत्य और धर्म के प्रहरी तथा अत्याचार के विरुद्ध आवाज़ उठाने वाले अद्वितीय योद्धा भी थे। इसीलिए उन्हें धर्म की चादर ,हिंद की चादर और सृष्टि की चादर जैसे गरिमामय संबोधन प्राप्त हुए।

उनका जीवन, बलिदान और शिक्षा आज भी यह संदेश देती है कि धार्मिक स्वतंत्रता, मानव अधिकार और सत्य की रक्षा किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का कर्तव्य है। गुरु तेगबहादुर जी का जन्म 1 अप्रैल 1621 को अमृतसर में हुआ। पिता छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी माता नानकी जी थी। गुरु हरगोबिंद साहिब ने जिस युग में मिरी-पिरी यानी आध्यात्मिकता और शौर्य के संयोजन का मार्ग दिखाया था, उसी वातावरण में गुरु तेगबहादुर जी का संस्कार हुआ। बचपन का नाम था त्याग माल, क्योंकि वे स्वभाव से अत्यंत शांत, गंभीर, विचारशील और तपस्वी प्रवृत्ति के थे। बचपन से ही उन्हें आध्यात्मिक चिंतन,ध्यान और साधना,और शस्त्र-विद्या तीनों में दक्षता प्राप्त हुई। पिता गुरु हरगोबिंद साहिब की प्रेरणा से वे एक ओर गहन अध्यात्म में डूबे रहते, दूसरी ओर अत्याचार के विरुद्ध आवाज़ उठाने के लिए धैर्य, विवेक और साहस का मार्ग अपनाते।

कई इतिहासकार उल्लेख करते हैं कि मुगल शक्तियों के विरुद्ध गुरु हरगोबिंद साहिब के संघर्ष में एक युद्ध के दौरान उन्होंने अद्वितीय शौर्य दिखाया। उनके इस साहस और तेजस्विता को देखकर गुरु हरगोबिंद साहिब ने उन्हें तेग बहादुर अर्थात तेग तलवार का वीर बहादुर नाम दिया। आठवें गुरु गुरु हरकृष्ण जी के देहांत के बाद, 1664 में, गुरु तेगबहादुर जी को सिख पंथ का नवां गुरु बनाया गया।

उन्होंने दिल्ली, पंजाब, बिहार, असम और बंगाल तक व्यापक यात्राएँ कीं और लोगों में समानता धार्मिक सद्भाव सत्य की शक्ति ईश्वर-प्रेम और मानवता का संदेश फैलाया। उन्होंने चक्रवर्ती यानी घूमते रहने वाले गुरु का स्वरूप अपनाया, ताकि धर्म और मनुष्य मात्र की भलाई हर क्षेत्र में पहुँचे। गुरु तेगबहादुर जी की वाणी अत्यंत दार्शनिक, शांत और आत्मबोध से परिपूर्ण है। गुरु ग्रंथ साहिब में उनकी 115 से अधिक वाणियाँ संकलित हैं। उनकी वाणी भय से मुक्त होने, लोभ-मोह से ऊपर उठने, सत्य और ईश्वरनाम में स्थिर रहने,तथा परिस्थितियों में संयम बनाए रखने का प्रेरणास्रोत है। उनका पूरा जीवन इस बात का प्रतीक है कि धर्म किसी विशेष समुदाय की संपत्ति नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की नैतिक चेतना है, जिसकी रक्षा हर कीमत पर आवश्यक है। धर्म की चादर धार्मिक स्वतंत्रता के रक्षक गुरु तेगबहादुर जी को धर्म की चादर इसलिए कहा गया क्योंकि उन्होंने धर्म की स्वतंत्रता, पूजा की स्वतंत्रता और व्यक्ति की अंतरात्मा की स्वतंत्रता को सर्वोच्च अधिकार माना। किसी पर धर्म स्वीकार करने का दबाव पाप है, और धर्म की रक्षा के लिए प्राण देना पुण्य।

जब उस समय मुगल सत्ता द्वारा लोगों को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया जा रहा था, तब गुरु तेगबहादुर जी ने कहा जब तक शरीर में प्राण हैं, धर्म की स्वतंत्रता का दीप बुझने नहीं दूँगा। यही आध्यात्मिक हिम्मत उन्हें धर्म की चादर बनाती है।

सम्पूर्ण भारत के रक्षक हिंदू धर्म को जबरन परिवर्तन से बचाने के लिए अपनी शहादत देने वाले गुरु तेगबहादुर जी को भारतीय समाज हिंद की चादर कहकर सम्मानित करता है। कश्मीर के पंडितों की पीड़ाऔरंगजेब के शासन में कश्मीरी पंडितों पर भीषण अत्याचार हुएउन्हें इस्लाम स्वीकार करने के लिए धमकाया गया, कर लगाए गए, और मृत्यु का भय दिखाया गया।

तब कश्मीरी पंडितों ने उत्तर भारत में ऐसे व्यक्तित्व की खोज की, जो उनकी रक्षा कर सके। वे आनंदपुर साहिब पहुँचे और गुरु तेगबहादुर जी से सहायता की विनती की। गुरु जी का ऐतिहासिक उत्तर गुरु तेगबहादुर जी ने कहा यदि मुझे बलिदान देना पड़े, तो भी मैं भारत की सनातन और सांस्कृतिक आत्मा की रक्षा करूँगा। उन्होंने कहा कि यदि वे स्वयं बलिदान देंगे, तो औरंगजेब का अत्याचार रुक जाएगा और लाखों लोगों को धर्म परिवर्तन से छुटकारा मिलेगा। यह निर्णय न केवल साहसिक था, बल्कि मानव अधिकारों की रक्षा का विश्व इतिहास में अनोखा उदाहरण भी है।

सृष्टि की चादर सम्पूर्ण मानवता के रक्षकगुरु तेगबहादुर जी की शहादत किसी एक धर्म के लिए नहीं थी, बल्कि पूरी मानवता की आध्यात्मिक स्वतंत्रता के लिए थी। इसलिए उन्हें सृष्टि की चादर कहा गया। उन्होंने सिख, हिंदू, मुस्लिम, जैन, बौद्ध,सभी को समान दृष्टि से देखा। उनका संदेश था कि अत्याचार का विरोध करो और सत्य के लिए खड़े रहो। मनुष्य की अंतरात्मा सर्वोपरि है। किसी के धर्म को न छीना जाए मानवाधिकार ईश्वर-प्रदत्त हैं।

ऐसा विचार रखने वाला व्यक्तित्व केवल एक देश या धर्म का नहीं रहता,वह पूरी सृष्टि की आत्मा बन जाता है। जब गुरु तेगबहादुर जी कश्मीरी पंडितों की रक्षा के लिए खड़े हुए, तो यह औरंगजेब को स्वीकार नहीं था। उसने आदेश दिया कि गुरु जी इस्लाम स्वीकार कर लें,या मृत्यु दंड स्वीकार करें। गुरु जी ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया कि धर्म बदलना मेरे लिए असंभव है, क्योंकि यह अंतरात्मा के विरुद्ध जाना है। कुछ इतिहासकार बताते हैं कि गुरु जी को गिरफ्तार करने के लिए कुछ अधिकारियों को भेजा गया। गुरु जी उस समय पटना, बंगाल और आसम की यात्राओं से लौट रहे थे। उन्हें सरहिंद के पास गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें सरहिंद दिल्ली ले जाया गया, जहाँ कठोर यातनाएँ दी गईं।

उनके सामने उनके शिष्यों भाई मतीदास, भाई सतिदास, भाई दयालदास– को अत्यंत क्रूर दंड दिया गया, पर गुरु जी अडिग रहे। 24 नवंबर 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक में गुरु तेगबहादुर जी के सिर का कलम किया गया। उनकी शहादत इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि उन्होंने किसी सत्ता के लिए प्राण नहीं दिए,किसी राज्य की रक्षा के लिए नहीं लड़े,बल्कि दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण अर्पित किए। विश्व इतिहास में यह अनोखा उदाहरण है कि किसी धर्मगुरु ने दूसरे धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया हो। वह भी तब जब उस दूसरे धर्म से उनका व्यक्तिगत लाभ कोई न हो। उनका बलिदान यह कहता है कि धर्म वह है जो सबका हो।

गुरु तेगबहादुर जी के एकमात्र पुत्र गुरु गोविंद सिंह जी थे, जो उस समय लगभग 9 वर्ष के थे।

जब उन्होंने पिता की शहादत का समाचार सुना, तो उन्होंने कहा

मेरे पिता ने मानवता, धर्म और सत्य के लिए शरीर अर्पित किया है। ऐसे पिता पर मैं गर्व करता हूँ।

गुरु गोविंद सिंह जी बाद में सिख पंथ के दसवें गुरु बने और खालसा पंथ की स्थापना की।

गुरु तेगबहादुर जी का जीवन तीन मुख्य आधारों पर टिका हुआ है। भय से मुक्ति उनकी वाणी कहती है। जिसे किसी से भय नहीं, वह सच्चा ज्ञानी है। वे सिख धर्म की उस परंपरा के प्रवर्तक हैं, जो भयमुक्त जीवन का संदेश देती है।

आध्यात्मिकता और विवेक

उन्होंने जप-तप, ध्यान और नाम-स्मरण को सर्वोच्च साधना कहा। मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रताउनके बलिदान ने यह सिद्ध किया कि धर्म बदलवाना अत्याचार है। किसी को उसकी आस्था से दूर करना पाप है।

और सत्य की रक्षा सर्वोच्च कर्तव्य है। यही सिद्धांत आगे चलकर भारतीय समाज और स्वतंत्रता के मूल्य का आधार बने। सिख पंथ में गुरु तेगबहादुर जी का प्रकाश पर्व अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में कीर्तन,लंगर, आत्मिक प्रवचन और गुरु जी की शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। और आज से विशेषआयोजन आयोजित होंगे। उनकी शहादत का दिन, 24 नवंबर, शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है और मानवाधिकार दिवस के समकक्ष माना जाता है। गुरु जी की विरासत अमर है। उन्होंने आत्मिक चेतना को जगाया। सत्य और न्याय को जीवन का मूल मंत्र बनाया। धर्म की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन दिया। अत्याचार और अन्याय का साहसपूर्वक विरोध किया। भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक धारा को बचाया। मानवता के इतिहास में अनोखा अध्याय लिखा और यही कारण है कि वे आज भी धर्म की चादर ,हिंद की चादर और सृष्टि की चादर कहलाते हैं।

नसलवाद अंतिम चरण में, आत्मसमर्पण की तेज र तार से सीमावर्ती इलाकों में बड़ी सफलता

सैकड़ों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और वे मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिए है। बीते एक-दो वर्षों में छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र और आंध्र-ओडिशा सीमा पर नक्सलियों का बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण हुआ है। कई दर्जन कैडर अपने हथियारों के साथ पुलिस के सामने पेश हुए।इन आत्मसमर्पण करने वालों ने मुख्यधारा में लौटकर समाज और परिजनों के साथ नई शुरुआत का संकल्प लिया। सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षा-सुधार कार्यक्रमों ने इस प्रक्रिया को तेज किया है।

कांतिलाल मांडोत

भारत में वामपंथी उग्रवाद नक्सलवाद-माओवाद अब अपने अंतिम दौर में पहुँच चुका है। केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त अभियानों, सटीक खुफिया इनपुट, स्थानीय विकास योजनाओं और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई के कारण नक्सलियों का नेटवर्क लगभग बिखर चुका है। सैकड़ों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और वे मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिए है। बीते एक-दो वर्षों में छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र और आंध्र-ओडिशा सीमा पर नक्सलियों का बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण हुआ है। कई दर्जन कैडर अपने हथियारों के साथ पुलिस के सामने पेश हुए।इन आत्मसमर्पण करने वालों ने मुख्यधारा में लौटकर समाज और परिजनों के साथ नई शुरुआत का संकल्प लिया। सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षा-सुधार कार्यक्रमों ने इस प्रक्रिया को तेज किया है। छत्तीसगढ़,मध्यप्रदेश सीमा पर बड़ी सफलता पुलिस को मिली है।सीमा क्षेत्र में लगातार सर्च-ऑपरेशन और जंगल क्षेत्रों में बनाए गए नए सुरक्षा कैंपों की वजह से उग्रवादी गतिविधियों में तेज कमी आई है। हाल ही में सात शीर्ष माओवादी मुठभेड़ में ढेर किए गए।कई ठिकाने नष्ट हुए,और हथियार-गोलाबारूद के बड़े भंडार बरामद किए गए।

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि इस क्षेत्र

में अब सक्रिय नक्सलियों की संख्या बहुत कम रह गई है।झारखंड का बोकारो और छत्तीसगढ़ का बस्तर नेटवर्क का तेजी से पतन हुआ है।यह राज्य और देश के लिए सुखद कह जाने वाली और रोमांचित करने वाली खबर है। बोकारो, सरायकेला-खरसावां, चाईबासा और सिंहभूम के घने इलाकों में नक्सलियों का दबदबा वर्षों तक रहा।लेकिन अबसुरक्षा बलों की चौकसी,सड़क निर्माण और ग्रामीण कनेक्टिविटी बढ़नेके कारण नक्सली संगठनों की पकड़ लगातार कमजोर हुई है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में भीडीआरजी, सीआरपीएफ डिओबीआरए और बीएसएफके संयुक्त ऑपरेशन ने माओवादियों का नेटवर्क कई हिस्सों में लगभग ध्वस्त कर दिया है।अमित शाह का बयान ने कहा था कि 2026 तक नक्सलवाद का पूर्ण खात्मा हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में स्पष्ट रूप से कहा है कि 2026 तक नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया जाएगा। अब उग्रवाद की अंतिम सांसें चल रही हैं।सरकार तीन मोर्चों पर काम कर रही है।सुरक्षा मोर्चा, तेज़ ऑपरेशन, नए कैंप, आधुनिक हथियारआदि में पुलिस सक्रियता दिखा रही है।

विकास मोर्चा में सड़क, बिजली, बैंकिंग, इंटरनेट, स्कूलआदि में अमूलचूल परिवर्तन हुआ है। जन-संपर्क मोर्चा के जरिए स्थानीय युवाओं को रोजगार, कौशल और मुख्यधारा से जोड़ने जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ है। शीर्ष नेतृत्व की लगातार मौत गिरफ्तारी और नये युवाओं की भर्ती लगभग बन्द होने के कारण नक्सलियों की कमर टूट गई है।इसके बाद जनता का सहयोग कम होना,गांवों में सरकारी योजनाओं की पहुँच औरलगातार खुफिया और तकनीकी निगरानी से नक्सली निराश हुए है।भारत लंबे समय से चले आ रहे नक्सलवाद की समस्या को निर्णायक मोड़ पर पहुँचा चुका है। आत्मसमर्पण की तेज़ लहर, सक्रिय कैडरों में भारी गिरावट और सुरक्षा बलों की तगड़ी कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि माओवादी आंदोलन अब अपने अंतिम चरण में है।

2026 तकपूरी तरह सफाया हो जाएगा। यह लक्ष्य अब पहले की तुलना में अधिक वास्तविक और सम्भव लगने लगा है।महिलाओं की बड़ी भूमिका है। आत्मसमर्पण की लहर और मजबूत शासन की निर्णायक सफलता है ।भारत का नक्सलवाद, जो कभी देश की आंतरिक सुरक्षा का सबसे बड़ा खतरा माना जाता था, अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच चुका है। पिछले एक दशक में सुरक्षा बलों की निरंतर कार्रवाई, केंद्र सरकार की सुदृढ़ नीति और विकास कार्यों के उल्लेखनीय विस्तार ने इस उग्रवाद की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। हाल के महीनों में जिन अभियानों को अंजाम दिया गया, उनमें कई कुख्यात नक्सलियों के साथ-साथ कई महिला उग्रवादी भी मुठभेड़ में ढेर हुई हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि नक्सलवाद में महिलाओं की भागीदारी बड़ी संख्या में रही है, जो इस आंदोलन का एक कम-चर्चित लेकिन महत्वपूर्ण पहलू रहा है।महिला नक्सलियों की बड़ी संख्या है। आंदोलन की जड़ों को समझने कीआवश्यकता है।नक्सली संगठनों में लंबे समय से महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही है। अनुमान है कि कुछ इलाकों में माओवादी दस्ता 30ङ्क40 प्रतिशत तक महिलाओं से बना रहा।

महिलाओं के नक्सली आंदोलन में जुड़ने के प्रमुख कारण थे।ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की भारी कमी सामाजिक शोषण और गरीबी पिछले दशकों में सरकारों की उपेक्षा और विकास से कटे हुए आदिवासी क्षेत्रों में राजनीतिक बेरुखी से यह परिस्थितियाँ ऐसी थीं जिनमें कई महिलाओं को लगा कि हथियार उठाना ही रास्ता है। यही वे परिस्थितियाँ थीं जिनका फायदा नक्सली नेतृत्व ने उठाया और दूर-दराज के गांवों में महिलाओं की भर्ती को बढ़ावा किया।

मत्स्य किसानों को आर्थिक समृद्धि हेतु नवीन तकनीक एवं कौशल विकास को अपनाने की जरूरत : मंत्री रामविचार नेताम

कृषि मंत्री विश्व मात्स्यिकी दिवस पर आयोजित कृषक संगोष्ठी में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा मछलीपालन मंत्री श्री रामविचान नेताम आज विश्व मात्स्यिकी दिवस पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम सभागार में आयोजित एक दिवसीय मत्स्य कृषक संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रति वर्ष 21 नवंबर को विश्व मात्स्की दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मत्स्य पालन के महत्व, मछुआ समुदाय के अधिकारों, आर्थिक आजिविका, खाद्य सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत एवं समुदाय सशक्तिकरण हेतु जागरूकता लाना है। श्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत जयंती मना रहा है। राज्य में प्राकृतिक रूप से मछली पालन के स्त्रोत प्रचूर मात्रा में उपलब्ध है। मत्स्य किसानों के विकास के लिए आवश्यकता है केवल नवीन तकनीक, मानव कौशल विकास, आर्थिक प्रोत्साहन एवं सहायता की।

मत्स्य बीज उत्पादन में राज्य देश में 6 वें स्थान पर: कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि शासन ने राज्य निर्माण के पश्चात राज्य एवं केन्द्र की विभिन्न योजनाओं जैसे कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, नील काति, प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना आदि के माध्यम से मछली पालन विकास के सतत् प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य में कुल 1,30,001 जल स्त्रोत (2.039 लाख हेक्टेयर) उपलब्ध है जिनमें 98 प्रतिशत् में किसी न किसी रूप में मत्स्य पालन हो रहा है। 3571 किलोमीटर का नदीय जलक्षेत्र भी उपलब्ध है। सघन मत्स्य पालन हेतु अतिरिक्त जलक्षेत्र निर्मित किया जा रहा है, अब तक कुल 7580 हेक्टर जलक्षेत्र निजी क्षेत्र में अतिरिक्त निर्मित हो चुका है।

मछली पालन हेतु गुणतत्ता युक्त मत्स्य बीज एक आधारभूत आवश्यकता है। राज्य को मत्स्य बीज के क्षेत्र में अग्रणी बनाने हेतु निरंतर प्रयास जारी है। अब तक कुल 82 नवीन हैचरी निर्मित कर 120 हैचरियों के माध्यम से 583 करोड़ मत्स्य बीज प्रति वर्ष उत्पादित हो रहा है, एवं राज्य देश में 6 वें स्थान पर है। हमारा राज्य मत्स्य बीज उत्पादन में न सिर्फ आत्मनिर्भर हुआ अपितु अन्य राज्यों को निर्यात भी हो रहा है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि विपणन व्यवस्था को सुदृढ बनाने एवं उपभोक्ता तक ताजी मछली पहुंचाने के लिए 1008 मोटर साइकल, आईस बॉक्स, 10 थी व्हीलर एवं 05 इन्सुलेटेड ट्रक, 114 वाहन (लाइव फिश वेडिंग सेन्टर) वितरित किए गए। रायपुर दुर्ग बिलासपुर एवं जांजगीर में थोक मत्स्य बाजार की स्थापना की गई। मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर मछुआ संघ की ओर से हितग्राहियों को लाभांश राशि का चेक प्रदान किया।

मत्स्य पालन बेरोजगारी दूर करने का सशक्त साधन : कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा और रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने भी सम्बोधित किया। मछलीपालन पालन विभाग के संचालक श्री एमएस नाग ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि भारत के मध्यस्थल पर स्थित प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में मत्स्य पालन विकास काफी प्रगति पर है। राज्य में उपलब्ध जल संसाधन की दृष्टि से मछली पालन एक विशिष्ट स्थान रखता है, राज्य की भौगोलिक एवं कृषि जलवायु स्थितियां भी मछलीपालन हेतु उपयुक्त है। यह ग्रामीण क्षेत्रों की बेरोजगारी दूर करने का सशक्त साधन है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी वर्ग के प्रगतिशील मछुआरों को मछलीपालन की आधुनिक तकनीकी पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सरकार की किसान हितैषी नीतियों से बढ़ा किसानों का भरोसा

तुंहर टोकन मोबाइल ऐप से मिल रही घर बैठे टोकन की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में धान खरीदी का महापर्व इस वर्ष भी सुगमता और पारदर्शिता के साथ मनाया जा रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी ने किसानों के बीच नई उम्मीद और उत्साह जगाया है। प्रदेश के किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाकर संतुष्ट हैं तथा बड़ी संख्या में धान खरीदी केंद्रों में पहुँचकर विक्रय कर रहे हैं। प्रशासन ने सभी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए बेहतर और सुव्यवस्थित प्रबंध सुनिश्चित किए हैं। जांजगीर चांपा जिले के खरौद के किसान रामसाय यादव आज धान उपार्जन केंद्र खरौद में धान विक्रय के लिए पहुँचे। केंद्र पहुँचने पर जिला कलेक्टर ने उन्हें फूल-माला पहनाकर और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। रामसाय यादव ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था पहले से कहीं अधिक बेहतर और किसान-मित्र साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी से एक दिन पूर्व ही उन्होंने तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर लिया था। पहले टोकन जारी होने के लिए सोसायटी में घंटों इंतजार करना पड़ता था, परंतु अब डिजिटल व्यवस्था से किसानों को बड़ी राहत मिली है।

श्री रामसाय यादव ने लगभग 15 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र में नमी परीक्षण, बारदाना उपलब्धता, धान भराई, तौल और पर्ची निर्गत– सभी प्रक्रियाएँ समयबद्ध और बिना किसी परेशानी के संपन्न हुईं। उन्होंने कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी सीमा जैसे निर्णय किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, जिससे खेती अब और अधिक आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है। सरकार की किसान हितैषी नीतियों और डिजिटल सेवाओं के कारण किसानों में भरोसा और उत्साह लगातार बढ़ रहा है।

धान खरीदी में आई तेज़ी, किसान बिना परेशानी के बेच रहे हैं धान

बेहतर व्यवस्थाओं से उपार्जन केंद्रों में बढ़ी किसानों की भीड़

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला बिना किसी व्यवधान के जारी है। धान खरीदी केंद्रों में धान की आवक तेज से होने लगी है। सभी समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में धान लेकर आने वाले किसानों से बिना किसी रूकावट के धान खरीदी की जा रही है। टोकन तुहर हाथ ऐप द्वारा ऑनलाइन टोकन कटने से लेकर धान तौलाई तक की संपूर्ण प्रक्रिया बेहद ही आसान और सुविधाजनक है।

बिलासपुर जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसान अब बड़ी संख्या में अपने धान बेचने आ रहे हैं। केंद्रों में शेड, पेयजल, लाइट सहित बारदाने की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। क्षेत्र के किसानों की सकारात्मक प्रक्रिया ने केंद्रों की व्यवस्थाओं को पारदर्शी साबित किया है। मस्तूरी विकासखंड के जयरामनगर धान उपार्जन केंद्र में धान बेचने आए किसान संजय पाण्डे ने बताया कि वे लगभग 4 से 5 एकड़ में धान की खेती करते हैं एवं प्रतिवर्ष यहां धान बेचने आते हैं। आज उनके टोकन का नंबर लगा है, उन्हें टोकन कटवाने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आयी है। वे केंद्र की व्यवस्थाओं से पूरी तरह संतुष्ट है। इसी प्रकार खैरा से धान बेचने आए किसान तीजराम साहू ने बताया कि वे 134 कट्टी धान लेकर समिति में धान बेचने पहुंचे हैं। आसानी से टोकन कटा और उनका धान भी समर्थन मूल्य पर विक्रय हो गया है। अब वे बिना किसी चिंता के घर जा सकते हैं। धान उपार्जन केंद्र में अच्छी गुणवत्ता के बारदाने उपलब्ध हैं और यहां के कर्मचारियों का व्यवहार भी सहयोगपूर्ण रहा। उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के साथ ही अब जिले के उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की रफ्तार बढ़ी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की किसान-केंद्रित नीतियों और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ने तस्वीर बदल दी है। आज खरीदी केंद्रों में तकनीक आधारित टोकन व्यवस्था, तेज़ तौल प्रक्रिया और समय पर भुगतान से किसानों में भरोसा बढ़ा है।

ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से खत्म हुई भीड़

समय पर तौल और भुगतान से किसानों का सरकार पर बढ़ा भरोसा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में जारी धान खरीदी तिहार इस साल किसानों के लिए राहत, विश्वास और संतुष्टि का प्रतीक बन गया है। बेमेतरा जिले के ग्राम खाती निवासी किसान यशवंत साहू ने बताया कि सरकार की सुव्यवस्थित और पारदर्शी प्रणाली के कारण धान बेचने का अनुभव पहले से कहीं अधिक सहज रहा। उन्होंने पदुमसरा धान खरीदी केंद्र में कुल 192 क्विंटल धान बेचा और प्रशासनिक इंतज़ामों की सराहना की।

यशवंत साहू ने कहा कि ÷इस बार ऑनलाइन टोकन व्यवस्था के कारण केंद्रों में अनावश्यक भीड़ नहीं दिखती। तय समय पर पहुंचने से तुरंत तौल शुरू हो जाती है। इससे किसानों का समय और मेहनत दोनों बच रहे हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि खरीदी केंद्र में तौल, गुणवत्ता परीक्षण, भुगतान प्रक्रिया और लाइन व्यवस्था सभी पहले की तुलना में काफी सुचारू है। पेयजल, बैठने की जगह और साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था से किसानों को आरामदायक माहौल मिल रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ÷धान विक्रय में इस बार कोई दिक्कत नहीं आई, सारी प्रक्रिया सहज और बिना किसी बाधा के पूरी हुई।सरकार द्वारा इस वर्ष 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। यशवंत साहू ने कहा कि बैंक खाते में सीधे भुगतान मिलने से किसानों को आर्थिक राहत मिली है। यह राशि वे अपने खेत में नई सिंचाई पाइपलाइन और बीज उपचार मशीन लगाने में निवेश करेंगे, जिससे आगामी सीजन में उत्पादन बढ़ेगा। गाँव के अन्य किसानों ने भी पदुमसरा केंद्र की व्यवस्थाओं की तारीफ की। उनका कहना था कि इस बार खरीदी केंद्रों में भ्रम, भीड़ और लंबा इंतज़ार जैसी समस्याएँ लगभग समाप्त हो गई हैं। बेहतर प्रबंधन, तकनीकी पारदर्शिता और किसान हितैषी नीतियों ने खरीदी तिहार को वास्तव में किसानों के लिए उत्सव जैसा अनुभव बना दिया है। बेमेतरा जिले में जारी यह सुव्यवस्थित खरीदी न केवल किसानों में भरोसा बढ़ा रही है, बल्कि प्रदेश की कृषि व्यवस्था को भी अधिक मजबूत और संगठित बना रही है।

ई-संवर्ग ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग का द्वितीय दिवस सफलतापूर्वक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार व्याख्याता, व्याख्याता (एल.बी.) तथा प्रधानपाठक (माध्यमिक शाला) ई-संवर्ग की ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग 21 से 24 नवंबर 2025 तक शासकीय शिक्षा शिक्षक महाविद्यालय, शंकर नगर, रायपुर में आयोजित की जा रही है। वरिष्ठता सूची के आधार पर नियमानुसार काउंसिलिंग की प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से जारी है। 22 नवंबर 2025 को काउंसिलिंग के द्वितीय दिन प्रथम पाली में कुल 150 में से 143 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा 7 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में कुल 149 में से 141 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और 8 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दो दिनों में कुल 599 अभ्यर्थियों में से 568 ने काउंसिलिंग में भाग लिया जबकि 31 अनुपस्थित रहे। इनमें से 36 अभ्यर्थियों ने स्थान चयन से इंकार किया तथा 532 अभ्यर्थियों ने अपनी स्वेच्छा से विद्यालय चयन किया।

राज्यपाल रमेन डेका खैरागढ़ महोत्सव के समापन समारोह में हुए शामिल

खैरागढ़ महोत्सव के समापन समारोह में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कला और संस्कृति की प्रतिष्ठित धरती खैरागढ़ शुक्रवार की रात को रंगङ्करसङ्गसंगीत की रंगीन छटा से निखर उठी। बहुप्रतीक्षित खैरागढ़ महोत्सव के समापन समारोह में राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि खैरागढ़ की सांस्कृतिक धरोहर न केवल छत्तीसगढ़ की पहचान है, बल्कि यह भारत की विविध कला-पद्धतियों का जीवंत केंद्र भी है। उन्होंने बताया कि यहां की संस्कृति रामायण काल से भी प्राचीन है। उन्होंने कहा कि संस्कृति के संरक्षण में ग्रामीणों की भूमिका अहम होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में कला के प्रति प्रेम और संरक्षण की प्रेरणा जगाते हैं तथा कलाकारों को अपने हुनर के प्रदर्शन का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं।

समारोह में विशिष्ट अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि खैरागढ़ भारत की कला-राजधानी के रूप में उभर रहा है और यह महोत्सव आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त करेगा।

रायपुर से कवर्धा पहुंच कैंसर विशेषज्ञों ने की मरीजों की जांच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष निर्देश एवं उनके निरंतर स्वास्थ्य-केंद्रित प्रयासों के परिणामस्वरूप जिला अस्पताल कवर्धा में प्रत्येक माह कैंसर जांच शिविर का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा जिले में गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान से ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को जिला अस्पताल परिसर कवर्धा में कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बालको के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. दिवाकर पांडे द्वारा विभिन्न प्रकार के कैंसर से संभावित मरीजों की जांच की गई। कुल 39 लोगों की जांच की गई, जिनमें से 15 मरीजों के परिणाम पॉजिटिव मिले।

डॉ. दिवाकर पांडे ने कहा कि कैंसर की शुरुआती अवस्था में पहचान और समय पर उपचार से मरीज की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने जागरूकता और नियमित जांच को बेहद आवश्यक बताया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र तुरे ने कहा कि उपमुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर आयोजित ये शिविर ग्रामीण जनता के लिए अत्यंत लाभप्रद सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे आगामी शिविरों में अवश्य शामिल हों और अपनी स्वास्थ्य जांच समय पर करवाएं। इस शिविर में कुल 39 लोगों की जांच हुई। जिसमें बोडला विकासखण्ड के 02, लोहारा के 03, पंडरिया के 06, कवर्धा के 25 एवं अन्य जिलों के 03 लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस शिविर में 6 मरीजों की मैमोग्राफी एवं 5 महिलाओं के पेप स्मीयर टेस्ट भी किए गए।

धान बेचने में कोई समस्या नहीं-किसान सेत राम

किसानों की सुविधा के लिए केंद्रों में माइक्रो एटीएम सहित सभी व्यवस्थाएँ उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार राज्य के सभी 33 जिले के धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी का कार्य सुचारू, व्यवस्थित और तेज़ी से जारी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी पंजीकृत किसानों का धान प्राथमिकता से खरीदा जाए, ताकि किसी किसान को असुविधा न हो। जशपुर के किसान सेत राम आज कुनकुरी विकासखंड के ग्राम नारायणपुर धान खरीदी केंद्र पहुँचे और अपना टोकन कटवाकर 42 क्विंटल धान की बिक्री की। उन्होंने खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि ÷धान बेचने में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आई। इस वर्ष पूरी व्यवस्था पहले से अधिक सुव्यवस्थित है।

टोकन जारी करने की ऑनलाइन व्यवस्था: किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केंद्रों में टोकन जारी करने की ऑनलाइन व्यवस्था, माइक्रो एटीएम सुविधा, पर्याप्त बारदाना, शुद्ध पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

किसान छूटे खसरे का अब भी करा सकते हैं सुधार, जिले में धान खरीदी जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। इस बीच प्रशासन ने किसानों को राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि किसी किसान का खसरा संख्या एग्रीस्टैक पोर्टल में धान विक्रय हेतु दर्ज नहीं हो पाया है, तो वे नजदीकी लोक सेवा केंद्र या च्वाइस सेंटर के माध्यम से अपने छूटे हुए खसरों को पंजीयन में जोड़ सकते हैं। जानकारी अपडेट होने के बाद किसान अपने कुल पंजीकृत रकबे के अनुसार धान विक्रय कर सकेंगे।

सूरजपुर जिले में धान उपार्जन से संबंधित शिकायतें और सुझाव खाद्य विभाग के टोल-फ्री नंबर 1800-233-3663 पर दर्ज कराए जा सकते हैं। इसके साथ ही सूरजपुर जिले में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर तथा कॉल सेंटर का गठन किया गया है, जो खरीदी के दौरान धान की रीसाइक्लिंग रोकने, कोचियों/बिचौलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने तथा धान के उठाव और परिवहन की निगरानी सुनिश्चित कर रहा है। जिले के कॉल सेंटर का नंबर 07775-266116 जारी किया गया है। सूरजपुर जिले में 10 हजार 180 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

पुनर्वासित युवाओं के साथ उपमुख्यमंत्री ने लगाई चौपाल, खुद बैठकर युवाओं के बनवाये आधारभूत दस्तावेज

सुकमा पुनर्वास केंद्र पहुंचे उपमुयमंत्री विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने आज शाम सुकमा में बनाये गए पुनर्वास केन्द्र में आकस्मिक निरीक्षण किया। जहां उन्होंने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवाओं के साथ चौपाल लगाकर उनसे बात की। इस दौरान पुनर्वासित युवाओं ने अपनी बातों को उपमुख्यमंत्री के सामने रखा। जहां उपमुख्यमंत्री खुद भी युवाओं के जमीन पर साथ बैठे और उनसे आत्मीय चर्चा की। उपमुख्यमंत्री की सरलता ने सभी को आनंदित कर दिया। सभी ने अपने मन की बातें बिना संकोच के उनके समक्ष रखी।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से संवाद करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र में आधारभूत व्यवस्थाओं के संबंध में युवाओं से सीधे जानकारी भी ली और अधिकारियों को उनके खाने और अन्य आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से शिक्षा और खेती एवं उनके परिवार सदस्यों से मुलाकात के संबंध में भी जानकारी ली। जहां पर उन्होंने अधिकारियों और पुनर्वासित युवाओं से कहा कि आपके परिजन यदि पुनर्वास केन्द्र में आकर मुलाकात करना चाहते हैं और यदि बाजार वाले दिन आकर जब भी मिलना चाहें तो उनसे मुलाकात कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी पुनर्वासित युवा के परिवार जेल में निरूद्ध हैं और युवा उनसे मिलना चाहें तो उसकी भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने युवाओं में से यदि कोई विवाह की इच्छा भी रखते हैं तो उनके लिए भी सामूहिक विवाह की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

इस दौरान पुनर्वासित युवाओं ने अपने मूलभूत दस्तावेज पूर्ण ना होने की जानकारी दी। जिसपर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने तुरंत जिला प्रशासन के अधिकारियों को दस्तावेज निर्माण करवाने के निर्देश दिए। जिसमें उन्होंने स्वयं अधिकारियों के साथ बैठकर दस्तावेज निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया और जहां भी दिक्कतें आई प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर उनका निराकरण भी किया। जहां आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड आदि बनवाने के लिए आवेदन कराए गए। उन्होंने युवाओं को विधानसभा सत्र के दौरान रायपुर भ्रमण कराकर उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जानकारी देने और उन्हें कार्यप्रणाली से अवगत कराने एवं इनके लिए पुनर्वास केंद्र में ही विशेष स्वास्थ्य शिविर लगवाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

नरसिंहपुर में दो लोडेड ट्रकों और डंपर की भिड़ंत

भामा के पास आमने-सामने की टक्कर; एक ड्राइवर घायल, 4 घंटे लगा जाम

नरसिंहपुर, एजेंसी। नरसिंहपुर जिले के भामा गांव में रविवार सुबह करीब 11 बजे गाडरवारा और तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग के बीच दो लोडेड ट्रकों और एक डंपर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में आलू से भरे एक ट्रक का चालक घायल हो गया। उसे स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन की मदद से तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सड़क पर फैले मलबे और वाहनों के सामान के कारण स्टेट हाईवे पर लगभग 4 घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। दोनों दिशाओं में कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

फ्लाई ऐश और ट्रकों की टर्निंग पॉइंट पर आमने-सामने हुई भिड़ंत: तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी बी.एल. त्यागी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि फ्लाई ऐश और आलू से भरे ट्रकों की टर्निंग पॉइंट पर आमने-सामने भिड़ंत हुई। उन्होंने पुष्टि की कि आलू भरे ट्रक के चालक को चोटें आई हैं और उसे तेंदूखेड़ा अस्पताल भेजा गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि तेंदूखेड़ा और गाडरवारा में पॉइंट लगाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया जा रहा है। चूंकि दोनों वाहन पूरी तरह लोडेड थे, इसलिए सड़क को साफ करने में अधिक समय लग रहा है और यातायात को पूरी तरह बहाल होने में देर लग सकती है।

सोंठिया आमबाड़ा में तेंदुए का हमला

आधी रात गाय को किया घायल, ग्रामीणों में दहशत

इटारसी, एजेंसी। इटारसी के धांई सोंठिया आमबाड़ा गांव में तेंदुए की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। बीती रात लगभग ढाई बजे एक तेंदुए ने ग्रामीण रामविलास सिरयाम की गाय पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। गाय के मुंह पर पंजों के गहरे घाव आए हैं। यह हमला तब हुआ जब गाय बाड़े में बंधी थी। घटना की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तेंदुआ अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग गया। कुछ दिन पहले भी इसी गांव में तेंदुए ने एक गाय का शिकार किया था, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग के एसडीओ मान सिंह मरावी ने ने बताया कि तेंदुए के गाय पर हमले की है जानकारी लगी है।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल गांव पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। विभाग के कर्मचारियों ने तेंदुए के पंजों के निशान और हमले के तरीके की जांच की। इसके बाद आसपास के जंगल क्षेत्र में सर्चिंग अभियान भी चलाया गया।

ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़कर सुरक्षित रूप से जंगल के अंदरूनी भागों में छोड़ा जाए, ताकि गांव में लोगों और मवेशियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। आदिवासी समाजसेवी विनोद वारिवा ने बताया कि गांवों के विस्थापन के कारण लगभग 500 एकड़ जंगल कट चुका है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास तेजी से खत्म हो रहे हैं। विनोद वारिवा के अनुसार, जंगल खत्म होने और खेतों के बीच खुले क्षेत्रों के बढ़ने से तेंदुए सहित अन्य जंगली जानवर भटककर आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं। मलोथर पंचायत सचिव मनीष राजपूत ने भी इस बात को स्वीकार किया कि तेजी से घटते जंगल ही इसका मूल कारण हैं।

खंडवा में रियल एस्टेट कारोबारी के कर्मचारी ने सुसाइड किया

स्कूल से लौटे बेटे ने फंदे पर लटका देखा; ऑनलाइन सट्टे में फंसने की आशंका

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में रियल एस्टेट कारोबारी के यहां काम करने वाले एक कर्मचारी ने शनिवार को सुसाइड कर लिया। कर्मचारी ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या की है। स्कूल से लौटे 11 साल के बेटे ने पिता को फंदे पर लटका देखा तो उसने पड़ोसियों को जानकारी दी। इसके बाद पड़ोसियों ने पत्नी को सूचना दी और घर बुलाया। पुलिस की मौजूदगी में शव को फंदे से उतारा गया। मामला थाना पदमनगर क्षेत्र के सन्मति नगर का है। यहां रहने वाले दुर्गेश पटेल (35) ने सुसाइड कर लिया। दुर्गेश

की पत्नी प्राइवेट स्कूल में टीचर है। वहीं 11 साल का बेटा भी पढ़ने जाता है। वह शाम के समय स्कूल से लौटा तो पिता को फंदे पर लटका देखा। पुलिस के अनुसार, दुर्गेश रियल एस्टेट फर्म लखन आनंद ग्रुप में पिछले करीब 10 साल से नौकरी करता था। बताते हैं कि पिछले एक महीने से वह ड्यूटी पर भी नहीं गया था। फिलहाल मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला हैं।

दुर्गेश पटेल (किरार) मूल रूप से नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी का रहने वाला है। पत्नी ने परिवार वालों को घटना के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद परिजन खंडवा के लिए रवाना हुए हैं। इधर, थाना पदमनगर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में दुर्गेश का ऑनलाइन सट्टे के जाल में फंसना बताया गया है।

छतरपुर में महिला ने ससुराल वालों पर लगाया आरोप

कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज, पति पर मारपीट, दहेज उत्पीड़न के मामले में केस दर्ज

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में एक महिला ने अपने पति पर मारपीट, गाली-गलौज और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना शनिवार शाम को हुई। नया मोहल्ला निवासी 40 वर्षीय पीड़िता शबीना पति राजा खान ने पुलिस को बताया कि उसके पति ने बच्चे की साइकिल उठाकर उस पर फेंक दी। यह साइकिल उसकी दाहिनी कलाई पर लगी, जिससे उसका हाथ बुरी तरह घायल हो गया। झूमाझटकी के दौरान उसका सिर दीवार से भी टकरा गया, जिससे उसे चोटें आई।

शादी के बाद से ही प्रताड़ित कर रहा पति: शबीना के अनुसार, उसकी यह दूसरी शादी है। उसके पहले पति की कैंसर से मृत्यु हो चुकी है और उसके दो बच्चे हैं। छह साल पहले हुई दूसरी शादी के बाद से ही वह लगातार पति की प्रताड़ना झेल रही है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसका पति शराब के लिए पैसे, एक प्लॉट और सोने की अंगूठी की मांग करता है। दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की जाती उसने यह भी बताया कि दो दिन पहले भी उसे साइकिल से मारा गया था, जिससे उसका हाथ टूट गया था।

घटना के बाद पीड़िता सीधे कोतवाली थाने पहुंची और सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तापमान में 4 डिग्री की बढ़ोतरी, ठंड से मिली राहत

देवास में सुबह कोहरा, अगले 4-5 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

देवास, एजेंसी। देवास में मौसम का मिजाज बदल गया है। पिछले तीन दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे लोगों को ठंड से राहत मिली है। पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 2 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। रविवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक सप्ताह पहले ठंड का असर काफी बढ़ गया था, जिससे रात का पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया था। हालांकि, रविवार सुबह शहर में कोहरे का असर भी देखा गया, जो दिन चढ़ने के साथ साफ हो गया। बाहरी क्षेत्रों में दिन में भी कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 से 5 दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा, जिसके बाद ठंड का दौर फिर से लौट सकता है।

सागर में टोल प्लाजा के पास युवक को मारी गोली

गोवंश से भरा ट्रक रोकने की बात को लेकर हुआ विवाद, पेट में लगी गोली

सागर, एजेंसी। सागर के सानौधा थाना क्षेत्र में गढ़ाकोटा रोड पर स्थित टोल प्लाजा के पास युवक पर फायर किया गया। गोली युवक के पेट में लगी है। घायल अवस्था में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार, फरियादी आशीष पिता शिवकुमार दुबे उम्र 33 साल निवासी गायत्री नगर मकरोनिया ने शिकायत में बताया कि गढ़ाकोटा रोड पर चनाटोरिया पर स्थित टोल प्लाजा पर शनिवार-रविवार की रात करीब 3 बजे आफिस में बैठा था। तभी राजेन्द्र दुबे निवासी मड़देवरा छतरपुर हाल निवास मकरोनिया जो अपने आप को टोल प्लाजा का पार्टनर बताता है उसका फोन टोल प्लाजा के मैनेजर रवि उपाध्याय के फोन पर आया। वह बोला कि आशीष से बात कराओ। मैंने बात की तो राजेन्द्र ने गालीगलौज शुरू कर दी। बोला कि वहीं रुको मैं आता हूं। थोड़ी देर में वह कार से टोल प्लाजा की बाउंड्री गेट के बाहर आया। गाड़ी खड़ी की ओर ड्राइवर के साथ अंदर आया। मुझे साथ ले गया। उसने कहा कि गोवंश की गाड़ियां मत रोका करो, टोल हमारा है। बात करते हुए उसने जान से मारने की नियत से मेरे ऊपर फायर कर दिया। गोली पेट में बांये तरफ लगी। मैं चिल्लाया तो टोल पर मौजूद कर्मचारी मौके पर आए। इसी दौरान राजेंद्र दुबे फायर करते हुए कार में बैठकर भाग गया। कर्मचारियों ने मुझे अस्पताल पहुंचाया। मामले में सानौधा थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस टोल प्लासा के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

देवास में युवक से मारपीट, पैर की हड्डी टूटी

इंदौर रेफर; समोसे खाने को लेकर हुआ विवाद

देवास, एजेंसी। देवास में उज्जैन रोड पर रविवार को एक विवाद के बाद एक युवक के साथ मारपीट की गई। इस घटना में युवक के पैर की हड्डी टूट गई, जिसके बाद उसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, यह विवाद इटावा राम मंदिर गेट के समीप एक होटल पर समोसे खाने को लेकर शुरू हुआ था। ललित प्रजापत और मनोज पिता रामसिंह नाम के दो व्यक्तियों ने मिलकर त्रिलोक नगर निवासी गिरीश पिता चतुर्भुज राठौर के साथ मारपीट की। मारपीट में गिरीश के पैर में गंभीर चोट आई, डॉक्टरों के मुताबिक उसके पैर की हड्डी टूट गई है। सूचना मिलने पर 112 डायल वाहन मौके पर पहुंचा और घायल गिरीश को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर चोट के कारण उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

शहडोल में दो बाइकों की टक्कर, युवक की मौत; दो घायल, अस्पताल में भर्ती

पुलिस ने बताया बाइकों की रफ्तार तेज होने से हादसा

शहडोल, एजेंसी। शहडोल जिले के केशवाही चौकी अंतर्गत बुढार मार्ग पर स्थित एक तालाब के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे में केशवाही निवासी संजय पिता शुभकरण की मौत हुई है। दूसरी बाइक पर सवार दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने तत्काल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल लाया गया है।

दोनों बाइकों की रफ्तार तेज होने के कारण हादसा: पुलिस ने बताया कि दोनों बाइकों की रफ्तार तेज होने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और विस्तृत जांच की जा रही है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब यातायात पुलिस सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को रोकने के लिए लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का अभियान चला रही है। नगर में नुक्कड़ नाटक और शिविरों के माध्यम से बाइक चालकों को हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी जा रही है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान का अपेक्षित प्रभाव नहीं दिख रहा है, जिसके कारण आए दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है।

ब्यौहारी में हार्वेस्टर ऑपरेटर की संदिग्ध मौतं

धान की कटाई के खेत में गिरा

शहडोल,एजेंसी। शहडोल जिले के ब्यौहारी में धान की कटाई के दौरान एक हार्वेस्टर ऑपरेटर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। यह घटना आखेटपुर गांव में हुई। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मृतक हार्वेस्टर ऑपरेटर सीधी जिले के मझौली का निवासी था। वह ब्यौहारी के आखेटपुर गांव में धान कटाई और गहाई के काम के लिए आया था। खेत में काम करते समय उसे अचानक सीने में दर्द हुआ।

दर्द होने पर उसने पानी मांगा, लेकिन पानी मिलने से पहले ही वह वहीं गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान रामनरेश भुरतिया (जिला सीधी) के रूप में की है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम करवा लिया गया है और पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट

सीहोर में मंदिर-दुकानों से चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शानू उर्फ सुनील से 30 हजार रुपए का माल बरामद

सीहोर, एजेंसी। सीहोर की कोतवाली पुलिस ने मंदिरों की दानपेटी और दुकानों से चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी से चोरी की दानपेटी, नकदी और चोरी के पैसों से खरीदा गया मोबाइल सहित कुल लगभग 30 हजार रुपए का सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 12-13 जुलाई की रात सीहोर के सब्जी मंडी स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर से ताला काटकर दानपेटी चुराई गई थी। इस संबंध में थाना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद, 27-28 अक्टूबर की रात श्री सिद्ध बंदी हनुमान मंदिर, पुरानी जेल सीहोर से भी दानपेटी चोरी हुई थी। इस मामले में भी थाना कोतवाली में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। तीसरी घटना 19 नवंबर की रात को हुई, जब कंचन मार्केट स्थित एक कलर पेंट की दुकान का ताला काटकर नकदी चोरी की गई। इस पर भी कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई।

अनूपपुर में धारदार तलवार लहराते हुए रंगे हाथों पकड़ाया आरोपी

पुलिस ने किया गिरफ्तार, एसपी ने दिए जिला बदर के आदेश

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर पुलिस ने पटौराटोला निवासी सूचीबद्ध गुंडा रवि यादव को धारदार तलवार के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई आर्म्स एक्ट के तहत की गई है। पुलिस ने रवि यादव (40) को पटौराटोला के वार्ड नंबर 2 में सड़क पर धारदार तलवार लहराते हुए रंगे हाथों पकड़ा। उसके खिलाफ कोतवाली अनूपपुर थाने में धारा 25 बी आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रवि यादव के खिलाफ कोतवाली अनूपपुर थाने में पहले से ही करीब एक दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चोरी, नकबजनी, मारपीट, धमकी, चोट पहुंचाना, जुआ खेलना, अवैध हथियार रखना और आत्महत्या के लिए उकसाना जैसे अपराध शामिल हैं। ये सभी मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं।

ट्रैक्टर चोरी प्रयास के बाद कंजर डेरों पर दबिश

मंदसौर के तीन थानों की संयुक्त कार्रवाई, ड्रोन से जंगल निगरानी

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले के सुवासरा थाना क्षेत्र के बसई गांव में ट्रैक्टर चोरी के प्रयास के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। शनिवार शाम मंदसौर जिले के तीन थानों की संयुक्त पुलिस टीम ने कंजर डेरों पर दबिश दी। इस अभियान में सीतामऊ, सुवासरा और शामगढ़ थानों का पुलिस बल शामिल था। एसडीओपी दिनेश प्रजापति ने कार्रवाई का नेतृत्व किया, जबकि सीतामऊ थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति सहित तीनों थानों के अधिकारी और जवान मौके पर मौजूद रहे। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात हथियारबंद बदमाश एक क्रेशर मशीन पर खड़े ट्रैक्टर को चुराने पहुंचे थे। ग्रामीणों के जागने पर बदमाशों ने उन्हें डराने के लिए हवाई फायरिंग की और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

चंबल नदी से सटे इस क्षेत्र में पहले भी चोरी, लूट और वाहन चोरी की कई वारदातें हुई हैं। इन

घटनाओं में अक्सर कंजर गिरोह पर संदेह जताया जाता रहा है। बढ़ती आपराधिक वारदातों के मद्देनजर पुलिस ने इस बार सख्त कार्रवाई का फैसला किया। पुलिस टीमें मोटरसाइकिलों से जंगल क्षेत्रों तक पहुंचीं और योजनाबद्ध तरीके से कंजर डेरों की घेराबंदी की। सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया, जिसका उद्देश्य जंगल की ओर भागने वाले संदिग्धों पर ऊपर से निगरानी रखना था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कंजर गिरोह अक्सर पुलिस की मौजूदगी का पता चलते ही जंगलों में भाग जाते हैं और महिलाओं को ढाल बनाने की कोशिश करते हैं। इसी वजह से इस बार तकनीकी और रणनीतिक रूप से विशेष तैयारी के साथ दबिश दी गई। एक घंटे से अधिक चले इस अभियान में कई संदिग्ध स्थानों की तलाशी ली गई।.

सागर में खेत में चल रहे जुआ फड़ पर छापा, 9 जुआरी गिरफ्तार

5 बाइक और 8 मोबाइल जत; 2 लाख से ज्यादा का मशरूका बरामद

सागर, एजेंसी। सागर के सानौधा थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ेराभान में पुलिस ने खेत में चल रहे जुआ फड़ पर दबिश देकर 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से नकद, 5 बाइक और 8 मोबाइल फोन सहित कुल 2 लाख 3 हजार 160 रुपए का सामान जब्त किया है। सभी आरोपियों को पकड़कर थाने लाया गया, जहां उनके खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि खड़ेराभान गांव में एक खेत में जुआ फड़ संचालित हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां लोग टॉर्च के उजाले में ताश के पत्तों पर हार-जीत का दाव लगा रहे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को देख जुआरी भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया।

पुलिस की कार्रवाई में 9 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया है... खड़ेराभान निवासीः जागीर पिता मजीद खान, कोमल पिता मंगल शर्मा। भैसवाही निवासीः सुनीत पिता सीताराम लोधी। खिरिया खुर्द निवासीः सरमन पिता थान सिंह लोधी। डुगासरा निवासीः रवि पिता हरी रैकवार। शाहपुर निवासीः अशोक पिता मुन्ना चौरसिया, दिनेश पिता मुन्ना लाल चौरसिया, मुकेश पिता प्रेम नारायण सेन और सुनील पिता श्याम चरण चौरसिया।

8160 रुपए नकद मिले, जुआ एक्ट में केस दर्ज: सानौधा थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने बताया कि जुआ फड़ पर कार्रवाई कर 9 जुआरियों को पकड़ा है। उनके कब्जे से 8160 रुपए नकद, 8 मोबाइल, 5 बाइकें कुल कीमती 2 लाख 3 हजार 160 रुपए का सामान जब्त किया है। सभी जुआरियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

क्या ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में नियमित ओपनर बनेंगे ट्रेविस हेड स्टीव स्मिथ ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड वनडे और टी20 फॉर्मेट में पारी की शुरुआत करते हैं। टेस्ट में वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ में खेले गए एशेज के पहले टेस्ट की दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए न सिर्फ उन्होंने पारी की शुरुआत की बल्कि तूफानी शतक से टीम को जीत दिलाई। हेड की शतकीय पारी के बाद चर्चा शुरू हो गई है क्या अब टेस्ट में भी हेड को नियमित रूप से पारी की शुरुआत करनी चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस सवाल का जवाब दिया है। पर्थ टेस्ट जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया को 205 रन की जरूरत थी। उस्मान ख्वाजा इंजर्ड थे। कप्तान स्मिथ ने हेड को पारी की शुरुआत के लिए भेजा, और हेड ने 83 गेंद पर 123 रन की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से जीत दिला दी। मैच के बाद स्टीव स्मिथ से पूछा गया कि क्या अब हेड को टेस्ट फॉर्मेट में नियमित रूप से पारी की शुरुआत करनी चाहिए?

स्मिथ ने कहा, पिछले कुछ घंटे बहुत जबरदस्त रहे, हम उसका लुत्फ उठा रहे हैं। हेड की ओपनिंग पर कुछ भी कहना शायद जल्दबाजी होगी, लेकिन हमने जो देखा वह बहुत जबरदस्त था। मुझे खुशी है कि मैं इसे देख सका। हेड ने एशेज की बेहतरीन पारियों में से एक खेली।

ऑस्ट्रेलिया लंबे समय से टेस्ट फॉर्मेट में सलामी बल्लेबाजों की असफलता से जूझ रही है। उस्माना ख्वाजा 38 साल के हो चुके हैं। उनके प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई है। ऐसे में उस ओपनर की तलाश ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट को है जिसकी उम्र और फॉर्म दोनों उसके पक्ष में हों। हेड उस जगह को भरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और सक्षम हैं। वनडे और टी20 में बतौर ओपनर हेड ऑस्ट्रेलिया को कई यादगार जीत दिला चुके हैं, जिसमें वनडे विश्व कप 2023 भी शामिल है।

उस्मान ख्वाजा ने पहली पारी में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी और सिर्फ 2 रन बना सके थे। पिछली 11 पारियों में ख्वाजा के बल्ले से एक भी अर्धशतक नहीं आया है। ऐसे में माना जा रहा है कि जल्द ही हेड को टेस्ट में पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

एजीएस 23 नवंबर को एमेच्योर गोल्फर्स सोसाइटी गोल्फ टूर्नामेंट के 10वें एडिशन की मेज़बानी करेगा

चंडीगढ़, एजेंसी। एमेच्योर गोल्फर्स सोसाइटी (एजीएस) ने चंडीगढ़ के सेक्टर 27 स्थित प्रेस क्लब में हुई एक प्रेस मीट में एजीएस गोल्फ टूर्नामेंट के 10वें एडिशन के आयोजन की जानकारी दी। टूर्नामेंट 23 नवंबर, 2025 को खेला जायेगा। मीडिया को संबोधित करते हुए, एडवोकेट सुरेश के गुप्ता, फाउंडर ट्रस्टी एजीएस, साथ ही एजीएस के चीफ पैट्रन हुकुम गोयल (जीया डायमंड्स) और पैट्रन मोहित बंसल (जीएमआई इंफ्रा) ने आने वाले टूर्नामेंट और ऑर्गनाइज़ेशन के गोल्फ डेवलपमेंट इनिशिएटिव्स की खास बातें बताईं। गुप्ता ने कहा कि यह टूर्नामेंट 23 नवंबर को पंचकूला गोल्फ क्लब में होगा। इसमें 68 पुरुषों और 4 महिलाओं समेत 72 गोल्फर हिस्सा लेंगे। ये सभी 18 फोर-बॉल बनाएंगे। गोल्फर तीन हैंडीकैप कैटेगरी में मुकाबला करेंगे- 0से9, 10से15 और 16 और उससे ज़्यादा, इसके अलावा लॉन्गेस्ट ड्राइव, स्ट्रेटेस्ट ड्राइव और नियरेस्ट टू पिन जैसे एक्स्ट्रा मुकाबले भी होंगे। टूर्नामेंट सुबह 6:40 बजे टी-ऑफ के लिए तय है।

प्रेस मीट के दौरान, एजीएस ने अपनी स्ट्रक्चर्ड ट्रेनिंग पहल के बारे में भी बताया, जिसका मकसद ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को गोल्फ खेलने के काबिल बनाना है। हुकुम गोयल ने कहा, इस प्रोग्राम के तहत, एजीएस नए खिलाड़ियों को बहुत कम कीमत पर ट्रेनिंग देगा, ताकि वे गाइडेड तरीके से और पूरी ट्रेनिंग सपोर्ट के साथ आराम से खेल सीख सकें।

ऑर्गनाइज़ेशन के लॉन्ग-टर्म विज़न के बारे में बताते हुए, मोहित बंसल ने कहा कि हमारा गोल्फ ट्रेनिंग प्रोग्राम और रेगुलर टूर्नामेंटस शौकिया गोल्फरों का बेस बढ़ाने और खेल को और आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

एक सवाल के जवाब में, गुप्ता ने कहा कि एजीएस का प्लान रेगुलर टूर्नामेंट कराने, एमेच्योर गोल्फर्स सोसाइटी की अपनी गोल्फ रेंज बनाने और गोल्फ सीखने के इच्छुक लोगों के लिए ट्रेनिंग की सुविधाएं बढ़ाने का है।

भारत के लक्ष्य सेन ने रचा नया इतिहास

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन का ताज भारत के सिर

सिडनी, एजेंसी। सिडनी के बैडमिंटन कोर्ट पर रविवार की दोपहर भारतीय सपनों की रैकेट से निकली एक चमक ने दुनिया को चकाचौंध कर दिया। लक्ष्य सेन, उत्तराखंड का यह युवा शटलर, जिसने अपनी मेहनत की डोर से भारतीय बैडमिंटन को नई ऊँचाइयों पर बाँधा है, ने ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर-500 का खिताब जीतकर नया इतिहास रच दिया। तनाका पर लक्षित 'लक्ष्य' फ़ाइनल में उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से था। लेकिन मैच की शुरुआत से ही लक्ष्य का अंदाज़ बता रहा था कि वह सिर्फ़ खेल नहीं रहे, बल्कि अपनी पहचान को एक नए मुक़ाम पर ले जाने आए हैं।उन्होंने तनाका को 21-15, 21-11 से हराकर सिर्फ़ खिताब ही नहीं जीता, बल्कि यह साबित कर दिया कि भारतीय बैडमिंटन का भविष्य अटूट है। इस पूरी भिड़ंत को ख़त्म होने में सिर्फ़ 38 मिनट लगे—एक ऐसा फ़ाइनल जहाँ लक्ष्य का खेल उनके नाम की तरह ही 'लक्ष्यबद्ध' दिखा।

गलतियों ने जापानी खिलाड़ी का साथ छोड़ा

दुनिया के नंबर 26 खिलाड़ी तनाका शुरुआत में ही दबाव में आ गए। उनकी गलतियों ने लक्ष्य को शुरुआती 6-3 की बढ़त दी, और फिर पहला सेट 21-15 से भारत की झोली में आ गया।दूसरे सेट में तो मानो लक्ष्य का रैकेट हवा में लय बनाकर खेल रहा था। तनाका कहीं लड़खड़ाए, कहीं रुके, लेकिन लक्ष्य बेख़ौफ़ बढ़ते चले गए।

लक्ष्यः एक सफ़र जो अभी शिखर पर पहुँचना बाकी है

लक्ष्य सेन पहले भी बड़े मंचों पर अपनी चमक दिखा चुके हैं—वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक, और पिछले साल लखनऊ सुपर-300 का खिताब। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर-500 जीतना—यह उनकी कहानी के अगले अध्याय की शुरुआत है।

पुरस्कार राशि और समान

एएनआई के अनुसार, लक्ष्य सेन को इस जीत के साथ 4.75 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिली है।लेकिन असली कमाई? देश के करोड़ों युवा खिलाड़ियों के दिलों में उठी वह उम्मीद—कि मेहनत और जुनून हो तो मंज़िलें अपने आप रास्ता बना लेती हैं।

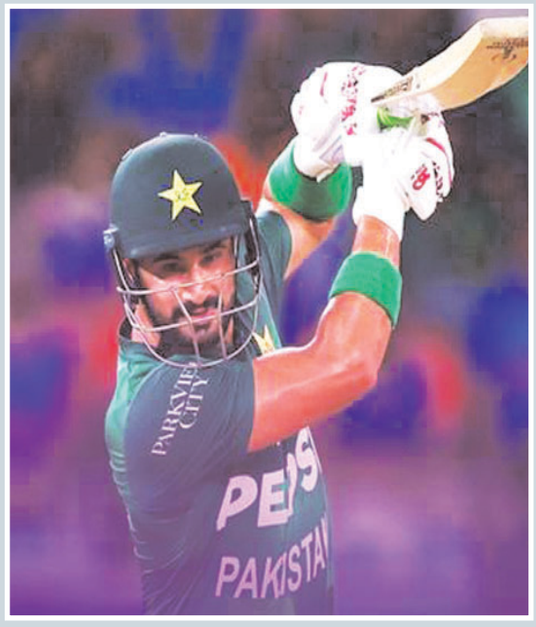

त्रिकोणीय टी20 सीरीजः साहिबजादा फरहान का तूफानी अर्धशतक, पाकिस्तान ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया

रावलपिंडी। त्रिकोणीय टी20 सीरीज के अपने दूसरे मैच में मेजबान पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत हासिल की है। साहिबजादा फरहान के तूफानी अर्धशतक की बदौलत पाकिस्तान ने 27 गेंद पहले 7 विकेट से जीत हासिल की। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 129 रन का लक्ष्य दिया था। पाकिस्तान ने साहिबजादा फरहान के 45 गेंद पर 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से खेली गई नाबाद 80 रन की पारी के दम पर 15.3 ओवर में 3 विकेट पर 131 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीत लिया। साईम अयूब 20 और बाबर आजम 16 रन बनाकर आउट हुए। सलमान आला शून्य पर आउट हुए। उस्मान खान 5 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका के लिए दुश्मंथा चमीरा ने 2 और कप्तान दासुन शनाका ने 1 विकेट लिए।

इससे पहले श्रीलंका ने 7 विकेट पर 128 रन बनाए थे। जनिथ लियानागे ने 38 गेंद पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 41 रन बनाकर श्रीलंका को 7 विकेट के नुकसान पर 128 रन तक पहुंचाया। पाथुम निसांका ने 17, कुसाल परेरा ने 25 और वानिंदु हसरंगा ने 11 रन की पारी खेली। कुसाल मेंडिस 3 और कामिंदु मेंडिस 3 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान दासुन शनाका खाता भी नहीं खोल सके।

पाकिस्तान के लिए मोहम्मद नवाज ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए। अबरार अहमद ने 4 ओवर में 28 रन देकर 1, फहीम अशरफ ने 2 ओवर में 15 रन देकर 1 और सलमान मिर्जा ने 4 ओवर में 26 रन देकर 1 विकेट लिए।

पाकिस्तान की यह लगातार दूसरी जीत है। सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इस जीत के साथ पाकिस्तान का टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचना लगभग तय हो गया है। वहीं श्रीलंका की यह दूसरी हार है। इस हार के बाद श्रीलंका के लिए फाइनल की रेस मुश्किल हो गई है। श्रीलंका को लीग चरण के दोनों मैच जीतने होंगे, जबकि जिम्बाब्वे को अपने दोनों मैच हारने होंगे, तभी श्रीलंका फाइनल खेल पाएगी।

एशेज इतिहास का सबसे तेज शतक किसके नाम, ट्रेविस हेड दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज 2025-26 की शुरुआत हो चुकी है। पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया। पर्थ टेस्ट 2 दिन में ही समाप्त हो गया। शनिवार को दूसरे दिन के खेल में ट्रेविस हेड ने विस्फोटक शतक लगाते हुए ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से जीत दिलायी। हेड का यह शतक एशेज इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक था। आइए जानते हैं कि एशेज का सबसे तेज शतक किस बल्लेबाज के नाम है। पर्थ टेस्ट के दूसरे दिन ट्रेविस हेड ने 83 गेंद पर 123 रन की पारी खेली। इस दौरान 69 गेंदों पर उन्होंने अपना शतक पूरा किया था। हेड ने एशेज में लगाए अपने सबसे तेज शतक को और बेहतर किया। 2021 में हेड ने 85 गेंद पर शतक लगाया था। 69 गेंद पर आया हेड का शतक एशेज इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। एशेज में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट के नाम है। गिलक्रिस्ट ने 2006 में पर्थ में वाका पर खेले गए मैच में मात्र 57 गेंद पर शतक लगाया था। उस पारी में गिलक्रिस्ट ने 59 गेंद पर नाबाद 102 रन बनाए थे।

एशेज का तीसरा सबसे तेज शतक इंग्लैंड के गिलबर्ट जेसोप के नाम है। 1982 में ओवल में उन्होंने 82 गेंद पर शतक लगाया था। एशेज का चौथा सबसे तेज शतक ऑस्ट्रेलिया के जोए डार्लिंग के नाम है। 1898 में उन्होंने सिडनी में 85 गेंद पर शतक लगाया था। हेड ने भी 2021 में ब्रिसबेन में 85 गेंद पर ही शतक लगाया था। हेड का यह शतक संयुक्त रूप से चौथा सबसे तेज शतक है।

एशेज का पांचवां तेज शतक इंग्लैंड के इयान बॉथम के नाम है। 1981 में मैनचेस्टर में उन्होंने 86 गेंद पर शतक लगाया था।

एशेज मैराथन की तरह, हम मजबूत वापसी करेंगे : ब्रेंडन मैकुलम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड टीम के लिए एशेज 2025-26 की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया ने दो दिन के अंदर हरा दिया। इंग्लैंड ने अपने 20 विकेट 67.3 ओवर में गंवा दिए। हार के बाद इंग्लैंड अपनी बल्लेबाजी को लेकर आलोचना का शिकार है। लेकिन, कोच ब्रेंडन मैकुलम ने टीम का बचाव किया है। ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि हम 204 रन का बचाव कर लेंगे, लेकिन ट्रेविस हेड की आसाधारण पारी की वजह से हमें हार का सामना करना पड़ा। मैंने जितनी बेहतरीन टेस्ट पारियां देखी हैं, ये उसमें से एक थी। हम हार से निराश नहीं हैं। हेड की बल्लेबाजी देख हमारा भी आत्मविश्वास कहीं न कहीं बढ़ा है। एशेज मैराथन की तरह है। हम अगले मैचों में जोरदार वापसी करेंगे। इंग्लैंड के कोच ने कहा कि हमारी दूसरी पारी जब समाप्त हुई तो मेरी बात पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट से हुई थी। गिलक्रिस्ट ने कहा था कि हमने 30 रन अधिक बना लिए हैं। लेकिन, जिस तरह की बल्लेबाजी ट्रेविस हेड ने की, उसे देख मुझे लगता है कि हम कम-से-कम 230 रन कम रह गए थे।

मैकुलम ने हेड के अलावा ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्कॉट बोलैंड की भी तारीफ की। इंग्लैंड के मुख्य कोच ने हार के बावजूद इंग्लैंड की बल्लेबाजी शैली का बचाव करते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम का माहौल ठीक है। हमें अपने अप्रोच पर विश्वास है और हम अगले मैचों में निश्चित रूप से वापसी करेंगे। इंग्लैंड ने चौथी पारी में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 का लक्ष्य दिया था। इंजर्ड उस्मान ख्वाजा की जगह कप्तान स्टीव स्मिथ ने ट्रेविस हेड को पारी की शुरुआत के लिए भेजा। हेड ने 69 गेंद पर शतक लगाते हुए 83 गेंद पर 4 छक्के और 16 चौके की मदद से 123 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 28.2 ओवर में 2 विकेट पर 205 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। इंग्लैंड की पहली पारी में बनाए 172 रन के जवाब में ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 132 पर ऑलआउट होकर 40 रन से पिछड़ी थी। दूसरी पारी में इंग्लैंड 164 पर सिमट गई थी।

इयान बॉथम - इंग्लिश क्रिकेट के आइकॉनिक खिलाड़ी

जो ऑलराउंडर्स के गोल्डन पीरियड के एक पिलर थे

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के इतिहास में हर दशक की अपनी कहानी और इतिहास है। 80 का दशक महान ऑलराउंडर्स के गोल्डन पीरियड के तौर पर याद किया जाता है। तब भारत के पास कपिल देव, पाकिस्तान के पास इमरान खान, न्यूजीलैंड के पास रिचर्ड हेडली और इंग्लैंड के पास थे- इयान बॉथम। 24 नवंबर 1955 में जन्में इयान बॉथम ने इंग्लैंड को एक ऐसी ऑलराउंडर विरासत दी है, जो आज भी बेन स्टोक्स के रूप में इंग्लिश क्रिकेट में जारी है। बॉथम दाएं हाथ के बल्लेबाज, तेज गेंदबाज और स्लिप में एक चुस्त फील्डर थे। वह दौर दिलेर हरफनमौला खिलाड़ियों के नाम था। जब बॉथम का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आगमन हुआ, तब न पिच से राहत मिलती थी, न गेंदबाजों की रफ्तार से और बल्लेबाज के सिर पर हेलमेट भी देखने को नहीं मिलते थे। उस दौर में बॉथम की विशुद्ध प्रतिभा ने इंग्लिश क्रिकेट को एक पहचान दी।

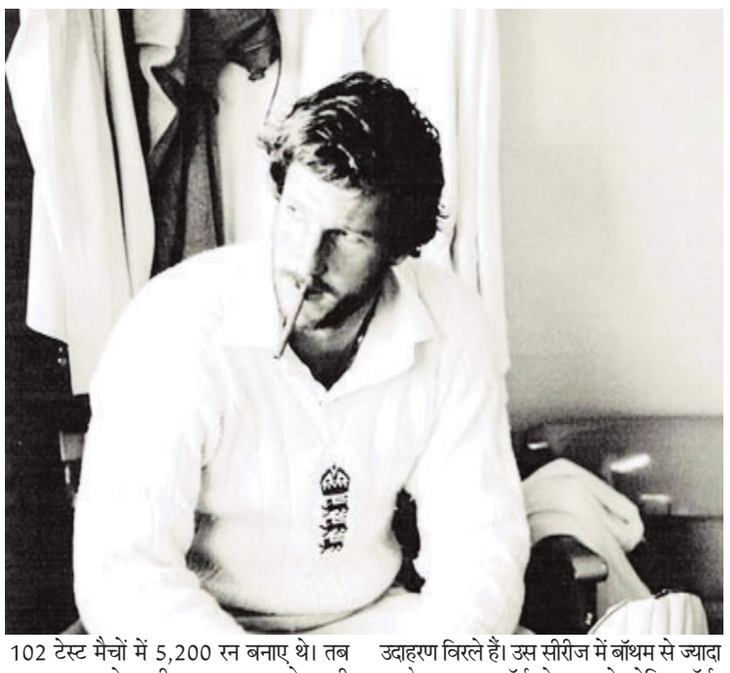

बॉथम का रंगीन और दिलेर व्यक्तित्व, क्रिकेट के हर फन में माहिर होना और खेलने का अनथक जुनून, ये सब खेल की परिधि को मानों पुनर्निधारित कर रहे थे। बॉथम दुनिया के सबसे तेजी से 100 विकेट और 1000 रनों का डबल पूरा करने वाले खिलाड़ी थे। यहां तक कि उनके 383 टेस्ट विकेटों का रिकॉर्ड भी लंबे समय तक नहीं टूट पाया। बॉथम ने बल्ले से भी 102 टेस्ट मैचों में 5,200 रन बनाए थे। तब उनका स्ट्राइक रेट करीब 61 का था, जो काफी तेज था। बॉथम की छाप इंग्लैंड क्रिकेट पर कुछ इस तरह से रही कि 1981 में क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी में से एक एशेज का नाम बॉथम एशेज कहा जाता है। क्रिकेट में ऐसे उदाहरण विरले हैं। उस सीरीज में बॉथम से ज्यादा रन केवल एलन बॉर्डर ने बनाए थे, लेकिन बॉर्डर का स्ट्राइक रेट जहां 37 का था, वहीं बॉथम ने 93 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की थी।

ऐसे ही गेंदबाजी में भी उन्होंने 34 विकेट लिए थे और उनका औसत उन गेंदबाजों में सबसे बेहतर था, जिन्होंने सीरीज में 25 से ज्यादा विकेट लिए थे। ये किसी भी सीरीज में किसी भी ऑलराउंडर का किया गया चरम प्रदर्शन था। इस सीरीज को इंग्लैंड ने 3-1 से जीता था।

अगर इंग्लिश क्रिकेट के बड़े हरफनमौला खिलाड़ियों पर नजर डालें तो सबका एक अंदाज रहा और हर स्टाइल का बेंचमार्क इयान बॉथम के रूप में स्थापित रहा। एंड्रयू फ्लिंटॉफ जब अपने करियर में पीक पर थे, तब-तब उनकी तुलना बॉथम से होती रही। बेन स्टोक्स में भी वही बात है। इन तीनों ही खिलाड़ियों की इमेज लार्जर दैन लाइफ और बहुत खास खिलाड़ियों की रही है। तीनों ही खिलाड़ियों में बहुत समानता भी थी। इन सभी के करियर का अंतिम पड़ाव चोटों से प्रभावित रहा।

बॉथम ने जब डेनिस लिली के रिकॉर्ड को तोड़ा, तब तक वे फिटनेस से जूझते हुए अपने करियर की संध्या पर पहुंच चुके थे। आखिरकार उन्होंने एक प्रोलिफिक ऑलराउंडर के तौर पर करियर का समापन किया। वे एक पूर्ण एथलीट थे। उन्हें फुटबॉल में भी बड़ा मजा आता था और दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल में भी उनकी प्रतिभा कमतर नहीं थी। बॉथम चैरिटी में भी सक्रिय रहे। वे सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि इंग्लैंड की एक प्रमुख स्पोर्ट्स फिगर रहे हैं। 2007 में उन्हें नाइटहुड की उपाधि दी गई और वे इयान बॉथम से सर इयान बॉथम बन गए। क्रिकेट के मैदान में नाम कमाने के बाद उन्होंने बतौर कमेंटेटर भी छाप छोड़ी।

अच्छी विकेट है, मैच अच्छा होगा, गुवाहाटी टेस्ट पर बोले सौरव गांगुली

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि गुवाहाटी में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जा रहा दूसरा टेस्ट मैच अच्छा होगा। मीडिया से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम, गुवाहाटी की विकेट अच्छी है। इसलिए मैच अच्छा होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता में खेला गया था। कोलकाता टेस्ट पिच को लेकर चर्चा में रहा। स्पिनरों के अनुकूल इस विकेट पर मैच का परिणाम तीसरे दिन आ गया था। भारतीय टीम को 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था। 124 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 93 रन पर सिमट गई थी।

मैच के बाद गांगुली ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को सुझाव दिया था। उन्होंने कहा था कि हमें ऐसी पिच पर खेलना चाहिए जहां बल्लेबाजों के पास रन बनाने का पूरा अवसर हो साथ ही गेंदबाजों के पास विकेट लेने का मौका हो। ऐसी स्थिति में ही आदर्श टेस्ट हो सकता है। गेंदबाज या बल्लेबाज के फेवर की विकेट नहीं होनी चाहिए। साथ ही गांगुली ने भारतीय टेस्ट टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को शामिल करने की सलाह भी दी थी। उनका कहना था कि शमी, बुमराह, सिराज और स्पिनरों के साथ मिलकर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत बना सकते हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में दूसरा टेस्ट शनिवार को शुरू हुआ। पिच कोलकाता से बेहतर लग रही है। दिन की शुरुआत में पिच बल्लेबाजों की मददगार नजर आई, तो दूसरे हाफ में गेंदबाजों को विकेट भी मिला।

पहले दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 247 रन बना लिए थे। सेनुरान मुथुसामी 25 और काएल वेरेने 1 रन पर नाबाद हैं। दक्षिण अफ्रीका एक समय 2 विकेट के नुकसान पर 165 रन बना चुकी थी, लेकिन 246 तक आते-आते टीम ने 6 विकेट खो दिए थे। पहले दिन का खेल इस बात का संकेत है कि पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मददगार है।

सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है: प्रतिमा बागरी

राज्यमंत्री ने किया 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता (नेट बॉल) 2025 का भव्य शुभारंभ रविवार को नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के मुख्यातिथ्य में अशासकीय सी.एम.ए.उ.मा.विद्यालय सतना के खेल मैदान में किया गया। प्रतियोगिता में राज्य के 9 संभागों के 19 वर्ष के बालक-बालिकायें हिस्सा ले रहे हैं। राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर प्रतिमा बागरी ने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत के साथ आगे बढना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागी खिलाडी जीतने का उद्देश्य लेकर सतना आये हैं। खेल में हारने वाला खिलाडी सीख कर आगे बढता है और एक बडा मुकाम हासिल करता है। उन्होंने सभी संभागों से आये खिलाडियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि खेल के मैदान में खिलाडी भावना का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करे।

प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागी पूरे उत्साह के साथ हर दिन उत्कृष्ट खेल दिखाकर अपना लक्ष्य प्राप्त करें। राज्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने में हमारा भी योगदान रहे। जीवन में स्वच्छता और अनुशासन का विशेष महत्व है।

सांसद गणेश सिंह ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी बालक-बालिकाओं को बधाई और शुभकामनायें देते हुए कहा कि बेहतर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर खेलों में विशेष उपलब्धि हासिल करें। उन्होंने कहा कि खेल ही ऐसा क्षेत्र है। जहां अपनी प्रतिभा के दम पर बेहतर से बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। खेल के माध्यम से अल्प समय में ख्याति भी प्राप्त होती है। सांसद श्री सिंह ने कहा कि सतना जिले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानकों के आधार पर खेल मैदानों और स्टेडियम की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया खेलो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसका उद्देश्य फिट इंडिया है। खेलों के प्रति युवाओं का रूझान बढ़ा हैं। गांव-गांव, स्कूलों तथा स्कूलों के बाहर प्रतिभावान खिलाडी तैयार हो रहे है। सांसद सिंह ने खिलाडियों से जीवन में अनुशासन और संस्कार को अपनाने का आहवान किया।

महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढने से खिलाडी उस क्षेत्र में बेहतर उपलब्धि हासिल करता है। यह उपलब्धि उसके जीवन में बदलाव लाने के साथ भविष्य का निर्माण करती है, अन्य क्षेत्रों की तरह खिलाडी खेल के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगितायें 9 संभागों की टीमों के मध्य आयोजित होगी। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं एवं शिक्षणगणों के रूकने, भोजन आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में शामिल होने वाले जिलों के खिलाडियों ने मार्च पास्ट किया।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुत दी गई। कार्यक्रम के दौरान शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं क्राइस ज्योति हायर सेकेण्डरी स्कूल की छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। साथ ही सेंट क्लारेंट स्कूल बराकला के छात्र-छात्राओं के सजे बैंड दल ने मनमोहक प्रस्तुति से सभी को भाव-विभोर कर दिया।

मां शारदा देवी धाम में हुई चोरी, दिन-प्रतिदिन जटिल होता चोरी का मामला

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मां शारदा देवी धाम मंदिर में हुई चोरी का मामला लगातार नए मोड़ ले रहा है और हर गुज़रते दिन यह विवाद और गहराता दिखाई दे रहा है। पुजारी प्रतिनिधियों और मंदिर समिति के कर्मचारी कैलाश कुशवाहा पर लग रहे आरोप अब धीरे-धीरे मंदिर के प्रभारी शैलेंद्र सिंह पर केंद्रित होते जा रहे हैं। मामले ने तब और तूल पकड़ा जब कर्मचारी कैलाश कुशवाहा ने दावा किया कि चोरी की जानकारी उसने समय रहते प्रभारी को दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद स्तर पर उनसे केवल वेतन-कटौती जैसी प्रारंभिक कार्रवाई की गई।

स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और कई सामाजिक संगठनों का कहना है कि जब पुजारी और कर्मचारी जांच के दायरे में आ सकते हैं, तो प्रभारी से जुड़े पहलुओं की जांच सीमित क्यों रखी गई? लोगों का आरोप है कि यह कार्रवाई 'प्रतीकात्मक' है और इससे कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कुछ लोगों ने आशंका जताई है कि शायद प्रशासनिक स्तर पर प्रभारी को किसी प्रकार का संरक्षण मिल रहा है, या फिर मामले को धीरे-धीरे हल्का करके समाप्त करने की कोशिश हो रही है—हालाँकि इन आशंकाओं की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इसी बीच यह भी चर्चा है कि मंदिर प्रशासन और जिला स्तर पर लिए गए निर्णयों की निष्पक्षता पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। कई स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने के लिए समान मानकों का पालन नहीं किया गया, तो वे इसे उच्च न्यायालय तक ले जाने को मजबूर होंगे। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय संगठनों का कहना है कि मंदिर जैसे संवेदनशील धार्मिक स्थल में हुई चोरी पर प्रशासन को अत्यंत पारदर्शिता से कार्य करना चाहिए।

महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म, 2 का वजन 1200 और एक का वजन 1400 ग्राम, जिला अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती नवजात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला अस्पताल में शनिवार को एक महिला ने सामान्य प्रसव से तीन बच्चों (ट्रिपलेट) को जन्म दिया है। बच्चों का वजन कम होने के कारण उन्हें नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू) में भर्ती कराया गया है, जबकि मां मेटरनिटी विंग में स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं।

तीनों बच्चों का वजन सामान्य से कम: मैहर विकासखंड के बुढेरुआ निवासी 28 वर्षीय रंजना पटेल को 20 नवंबर को सतना जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। उन्होंने 22 नवंबर को लगभग दो घंटे के अंतराल में तीन नवजातों को जन्म दिया। रंजना ने शाम 4 बजकर 38 मिनट पर पहले लड़के को जन्म दिया। इसके लगभग दो घंटे बाद शाम 6 बजकर 25 मिनट पर एक लड़की का जन्म हुआ। तीसरा लड़का दूसरे प्रसव के छह मिनट बाद पैदा हुआ। दो बच्चों का वजन 1200 ग्राम है, जबकि एक बच्चे का वजन 1400 ग्राम है।

पहली डिलीवरी में नहीं बचा था नवजात: रंजना के पति ने बताया कि उनकी पत्नी का चेकअप मैहर के सिविल अस्पताल में नियमित रूप से होता रहा है। स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. भूमिका जगवानी ने पहली सोनोग्राफी में ही बता दिया था कि रंजना के गर्भ में तीन भ्रूण पल रहे हैं। इस प्रसव से पहले रंजना की पहली डिलीवरी में नवजात नहीं बच पाया था। अब ट्रिपलेट बच्चों के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है।

भावांतर योजना में सोयाबीन का मॉडल रेट आज 4282 रुपए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए 23 नवंबर को 4282 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी। मॉडल रेट और न्यूनतम समर्थन मूल्य के भावांतर की राशि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। सोयाबीन का पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 14 नवंबर को 4184 रुपए, 15 नवंबर को 4225 रुपए, 16 नवंबर को 4234 रुपए, 17 नवंबर को 4236 रुपए, 18 नवंबर को 4255 रुपए, 19 नवंबर को 4263 रुपए, 20 नवंबर को 4267 रुपए, 21 नवंबर को 4271 रुपए और 22 नवंबर को 4285 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी हुआ था। राज्य सरकार की गारंटी है कि किसानों को हर हाल में सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य की 5328 रुपए प्रति क्विंटल की राशि मिलेगी।

मरवा में बच्चों के विवाद पर दो पक्ष भिड़े, परिजनों में मारपीट, आगजनी; दोनों की तरफ से एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के जैतवारा थाना क्षेत्र के मरवा गांव में बच्चों के मामूली विवाद ने शनिवार देर रात दो पक्षों के बीच गंभीर झड़प का रूप ले लिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार, बच्चों के बीच हुए झगड़े के बाद दोनों पक्षों के परिजन आमने-सामने आ गए। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर मारपीट की और सामान तोड़ दिया।

दोनों ही पक्ष मुस्लिम समुदाय से हैं और इस विवाद ने जल्द ही तनाव का रूप ले लिया।

पुलिस को गुमराह करने के लिए आगजनी का 'ड्रामा': झगड़ा बढ़ने पर दोनों पक्षों पर पुलिस को भ्रमित करने के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि एक पक्ष ने अपनी मोटरसाइकिल को खुद ही आग लगा दी, ताकि दूसरे पक्ष को दोषी ठहराया जा सके। वहीं, दूसरे पक्ष ने अपनी झोपड़ी में आग लगाकर कपड़े से बुझाने का नाटक किया। इस पूरे घटनाक्रम के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं।

दोनों पक्षों पर केस दर्ज, जांच जारी: जैतवारा थाना प्रभारी अभिषेक पांडेय ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट, आगजनी और धमकी देने के आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस वीडियो फुटेज और बयान लेकर घटना की विस्तृत जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

आर्मी लिखी जीप से शराब तस्करी, दो आरोपी गिरफ्तार; 61 लीटर शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की कोठी थाना पुलिस ने एक जीप से शराब की तस्करी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए जीप के आगे और पीछे 'आर्मी' लिख रखा था। पुलिस ने जीप से 61 लीटर अवैध शराब जब्त की है।

यह कार्रवाई शनिवार को चित्रकूट रोड पर वाहनों की चेकिंग के दौरान की गई। पुलिस एक स्टॉपर लगाकर आने-जाने वाले वाहनों की जांच कर रही थी, तभी सीधी जिला पासिंग की एक जीप (एमपी 53 सीए 5457) आती दिखी। पुलिस ने जीप को रुकने का इशारा किया।

पुलिस को देखकर भागने लगे आरोपी: शुरुआत में जीप सवार युवकों ने सामान्य होने का नाटक किया, लेकिन जब पुलिस ने चेकिंग के लिए पीछे का गेट खोलने को कहा तो दोनों भागने लगे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान जीप से 61 लीटर अवैध शराब बरामद हुई।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान रमपुरा निवासी अकलेश कुशवाहा (पिता बाबूलाल) और अमित कुशवाहा (पिता रामप्रताप) के रूप में हुई है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अकलेश कुशवाहा इससे पहले भी कोरोना लॉकडाउन के समय दो बार शराब तस्करी करते हुए पकड़ा जा चुका है।

मिड-डे मील के बाद बच्चों से धुलवाए बर्तन, उमरी प्राथमिक शाला का मामला; मेन्यू का भोजन भी नहीं मिल रहा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नागौद विकासखंड स्थित शासकीय प्राथमिक शाला नई बस्ती उमरी में बच्चों से खाने के बाद झूठे बर्तन धुलवाए जा रहे हैं। बच्चों के बर्तन धोने का वीडियो भी सामने आया है। मामला गुरुवार का है जिसका वीडियो अब सामने आया है।

स्कूल में सरकार की मिड-डे मील योजना में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। यहां बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है। शासन द्वारा बच्चों के पोषण के लिए प्रतिदिन का विस्तृत आहार चार्ट निर्धारित है, जिसमें दाल, चावल, रोटी, हरी सब्जियां और मौसमी फल शामिल हैं।

एक महीने पहले मिली थी सब्जी: बच्चों ने बताया कि उन्हें मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं दिया जा रहा है। वे कई दिनों से केवल दाल और चावल खा रहे हैं। बच्चों के अनुसार, उन्हें लगभग एक माह पहले आखिरी बार सब्जी मिली थी। स्कूल की रसोइया ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उसने लगभग एक महीने पहले सब्जी बनाई थी।

इसके अतिरिक्त, बच्चों से खाने की प्लेटें भी धुलवाई जा रही हैं, जो सरकारी नियमों के विरुद्ध है। सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम करवाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। जब इस मामले पर प्रभारी प्रधानाचार्य से पूछा गया, तो उन्होंने इस बारे में कुछ भी नहीं बताया। वहीं जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह ने पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है।

वाहन पेंटिंग दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जला; तीन दमकल वाहनों ने बुझाई आग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मोटर लाइन में एक वाहन पेंटिंग की दुकान में शनिवार देर रात भीषण आग लग गई। यह घटना रात करीब 11:30 बजे हुई, जिसमें दुकान का लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। तीन दमकल वाहनों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। दुकान के अंदर रखी पेंट मशीन और मोटरसाइकिल के विभिन्न पार्ट्स भी पूरी तरह नष्ट हो गए। यह दुकान नजीराबाद निवासी इम्तियाज खान उर्फ़ गुड्डू पेंटर की है। इम्तियाज खान ने बताया कि वे रात लगभग 9 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। करीब 11:30 बजे परिचितों ने फोन कर दुकान से धुआं उठने की सूचना दी। जब तक वे मौके पर पहुंचे, आग विकराल रूप ले चुकी थी।

सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। गनीमत रही कि आग ने आसपास की दुकानों को अपनी चपेट में नहीं लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत सतना जिले के 200 तीर्थयात्री रामेश्वरम-मदुरई हुए रवाना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत सतना जिले के 200 तीर्थयात्री रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ दर्शन के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत सतना जिले के चयनित पात्र 200 वरिष्ठजन दोपहर 12.30 बजे सतना रेल्वे स्टेशन से विशेष भारत ट्रेन द्वारा तीर्थ दर्शन के लिए रवाना किये गये। इसके पहले चयनित वरिष्ठजन तीर्थ यात्रियों का सांसद गणेश सिंह द्वारा अधिकारियों के साथ स्टेशन परिसर में माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सतना रेलवे स्टेशन में सांसद सतना सिंह ने जिले के सभी तीर्थ यात्रियों से मिलकर उन्हें सकुशल तीर्थ यात्रा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एसडीएम एलआर जांगडे, नायब तहसीलदार राजेश सिंह, पटवारी बृजेश निगम, ई-दक्ष प्रबंधक योगेश तिवारी, नारेन्द्र ताम्रकार, एरिया मैनेजर नारेन्द्र सिंह, स्टेशन मास्टर मतीन उपस्थित थे। सतना रेल्वे स्टेशन से रवाना यह ट्रेन वापसी में 29 नवम्बर को सायं 6.15 बजे वापस सतना लौटेगी।

मैहर जिले से 200 वरिष्ठजन हुए रवाना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत रविवार को दोपहर 2 बजे मैहर जिले से रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ यात्रा के लिए 200 वरिष्ठजनों को स्वागत-सत्कार के साथ रवाना किया गया। यह यात्रा 29 नवंबर 2025 को वापस मैहर लौटेगी। तीर्थ यात्रा में मैहर के 100, अमरपाटन के 49 तथा रामनगर के 51 हितग्राही शामिल हैं। यात्रियों के सुचारु संचालन के लिए जिले से शिवेंद्र सिंह, शैलेन्द्र शर्मा, कैलाश सेन एवं संतोष सिंह को प्रभारी एवं अनुरक्षक के रूप में नियुक्त कर भेजा गया है। यात्रा के प्रस्थान अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने सभी हितग्राहियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा उन्हें रास्ते के लिए नाश्ते के पैकेट और पहचान पत्र वितरित किए। विधायक ने यात्रियों को शुभकामनाएँ देते हुए यात्रा को सौहार्दपूर्ण एवं सफल बनाने की अपील की।

बिरला सीमेंट के सतना प्लांट को नोटिस, पार्किंग एरिया में वायु प्रदूषण के कारण एमपी पीसीबी ने दी सख्त हिदायत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मेसर्स बिरला कॉर्पोरेशन के सीमेंट प्लांट के ट्रक पार्किंग क्षेत्र में भारी वायु प्रदूषण की शिकायतों के बाद मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपी पीसीबी) ने कार्रवाई की है। क्षेत्रीय अधिकारी सुधांशु तिवारी ने बिरला कॉर्प के यूनिट हेड को नोटिस जारी कर पार्किंग स्थल के आसपास की जर्जर सड़कों के रखरखाव का निर्देश दिया है। पीसीबी को सीएम हेल्पलाइन पर इस संबंध में लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों में कहा गया था कि प्लांट के बदखर स्थित परिसर के बाहर ट्रकों की आवाजाही से सड़कों पर धूल उड़ती है, जिससे आसपास के रहवासियों को सांस लेने में परेशानी हो रही है।

खराब रास्ते के कारण हो रहा वायु प्रदूषण: शिकायतों की जांच के दौरान पीसीबी के वैज्ञानिक जी.के. बैगा ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि सीमेंट प्लांट परिसर के बाहर ट्रकों के पार्किंग स्थल के आसपास की सड़कें अत्यंत जर्जर हो चुकी हैं।

इन खराब सड़कों के कारण ट्रकों और अन्य वाहनों के आवागमन से भारी वायु प्रदूषण हो रहा है। क्षेत्रीय अधिकारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि शिकायतों की पुष्टि होने के बाद मेसर्स बिरला कॉर्पोरेशन को नोटिस जारी कर जल्द से जल्द जर्जर सड़कों का रखरखाव कराने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।